प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : टेस्ट 14

1. '2 + 2 संवाद' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?
a. संयुक्त राज्य अमेरिका और उत्तर कोरिया
b. यूरोपीय संघ और ईरान
c. भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान
d. भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका

उत्तर: (d)

व्याख्या: 2 + 2 मंत्रिस्तरीय डायलॉग, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के संबंधित रक्षा एवं विदेश मंत्रियों के बीच एक संवाद है। **अत: विकल्प (d) सही है।**

2. शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एसर) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. इसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है।
   2. इसमें केवल ग्रामीण भारत के बच्चों का सर्वेक्षण किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: एन.जी.ओ. 'प्रथम' ने हाल ही में अपनी 13वीं वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (ए.एस.ई.आर.) 2018 जारी की है। इसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नहीं जारी किया गया है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- ए.एस.ई.आर. 2018 एक राष्ट्रव्यापी घरेलू सर्वेक्षण है, जो ग्रामीण भारत के बच्चों की स्कूली शिक्षा और सीखने के प्रतिरूप का एक चित्र प्रस्तुत करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- स्कूल या प्री-स्कूल में नामांकन की स्थिति जानने के लिये 3 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों का सर्वेक्षण किया जाता है। 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों की बुनियादी पठन क्षमता और उनकी अंकगणितीय क्षमताओं को जानने के लिये पृथक् रूप से इसका आकलन किया जाता है।
- ए.एस.ई.आर. देश भर में बच्चों के मूलभूत कौशल के बारे में जानकारी का एकमात्र राष्ट्र-स्तरीय स्रोत है।

3. निम्नलिखित में से कौन लोकपाल का चयन करने वाली समिति का हिस्सा नहीं है?
a. गृह मंत्री
b. लोकसभा अध्यक्ष
c. भारत का मुख्य न्यायाधीश
d. लोकसभा में विपक्ष का नेता

उत्तर: (a)

व्याख्या: लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013

अधिनियम के अनुसार:

लोकसभा में विपक्ष का नेता
प्रधानमंत्री
भारत का मुख्य न्यायाधीश
लोकसभा अध्यक्ष

- इन सदस्यों को अपने रैंकों के बीच चयन समिति का हिस्सा बनने के लिये पहले एक प्रख्यात न्यायविद् को नियुक्त करना होगा। **अत: विकल्प (a) सही है।**
- इस अधिनियम में कुछ सार्वजनिक अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जाँच के लिये संघ में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त संस्था की स्थापना का प्रावधान है।

- इसका विस्तार संपूर्ण भारत में है।
- यह भारत के भीतर और बाहर सार्वजनिक कर्मियों पर लागू होगा।

लोकपाल निम्नलिखित के संबंध में भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत से जुड़े किसी भी मामले में शामिल होने या भ्रष्टाचार उत्पन्न होने या उससे जुड़े होने के किसी भी आरोप के संबंध में पूछताछ या जाँच करेगा:

- कोई भी व्यक्ति, जो प्रधानमंत्री है अथवा रहा है (सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से संबंधित मामलों के संबंध में कुछ अपवादों को छोड़कर)।
- कोई भी व्यक्ति जो केंद्र में मंत्री अथवा सांसद हो अथवा कभी रहा हो।
- ग्रुप 'ए' से 'डी' तक के अधिकारियों जिन्हें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में परिभाषित किया गया है।

संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष पेश करने से पहले रिपोर्ट को प्रतिवर्ष राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करना लोकपाल का कर्त्तव्य होगा। राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए कानून के माध्यम से प्रत्येक राज्य के लिये लोकायुक्त के रूप में एक निकाय की स्थापना की जाएगी, यदि निकाय की स्थापना, गठन अथवा नियुक्ति पूर्व में नहीं की गई है।

4. प्रधानमंत्री रोज़गार प्रोत्साहन योजना (पी.एम.आर.पी.वाई.) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. सरकार 15,000 रुपए प्रतिमाह तक के वेतन वाले नए रोज़गार के लिये कर्मचारी भविष्य निधि तथा कर्मचारी पेंशन योजना में नियोक्ता के योगदान का भुगतान करती है।
    2. पी.एम.आर.पी.वाई. का कार्यान्वयन वित्त मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (a)

व्याख्या: प्रधानमंत्री रोज़गार प्रोत्साहन योजना

- इस योजना के तहत सरकार नए रोज़गार के सृजन के लिये नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करती है।
- भारत सरकार 15000 रुपए तक प्रतिमाह वेतन वाले नवीन सृजित रोज़गार हेतु 12% का पूर्ण नियोक्ता अंशदान (कर्मचारी भविष्य निधि और कर्मचारी पेंशन योजना के संबंध में) प्रदान करती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- पी.एम.आर.पी.वाई. को श्रम और रोज़गार मंत्रालय द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई.पी.एफ.ओ.) के माध्यम से लागू किया जा रहा है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- पी.एम.आर.पी.वाई. की संपूर्ण प्रणाली ऑनलाइन और आधार संचालित है, जिसमें योजना के कार्यान्वयन में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं है।
- इस योजना का सीधा लाभ यह है कि यह श्रमिकों को भविष्य निधि, पेंशन और मृत्यु संबंधी बीमा के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है।
- रोज़गार सृजन हेतु प्रधानमंत्री रोज़गार प्रोत्साहन योजना (पी.एम.आर.पी.वाई.), केंद्र सरकार की एक महत्त्वपूर्ण योजना है, जिसके अंतर्गत 14 जनवरी, 2019 तक एक करोड़ से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हो चुके हैं।

5. बाघ संरक्षण पर तीसरा स्टॉकटेकिंग सम्मेलन निम्नलिखित में से किस शहर में आयोजित किया गया था?

a. काठमांडू
b. थिम्पू
c. ढाका
d. नई दिल्ली

उत्तर (d)

व्याख्या: बाघ संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय स्टॉकटेकिंग सम्मेलन

1. हाल ही में वैश्विक बाघ रिकवरी कार्यक्रम (जी.टी.आर.पी.) के क्रियान्वयन से संबंधित बाघ संरक्षण पर तीसरे स्टॉकटेकिंग सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। **अत: विकल्प (d) सही है।**
2. यह वर्ष 2012 के बाद भारत में आयोजित होने वाला दूसरा संस्करण है, जिसमें वर्ष 2010 में रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में बाघ रेंज के देशों द्वारा अपनाए गए संकल्प की स्थिति में हुई प्रगति का आकलन किया गया था।
3. इस सम्मेलन की मेज़बानी राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने वैश्विक बाघ मंच के साथ मिलकर की, जो दुनिया में बाघों के संरक्षण के लिये एक अंतर्राष्ट्रीय, अंतर-सरकारी संगठन है।

6. 'माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणी' (एम.आई.पी.) वैक्सीन निम्नलिखित में से किस रोग से संबंधित है?

a. कुष्ठ
b. मलेरिया
c. हेपेटाइटिस
d. चिकनगुनिया

उत्तर (a)

व्याख्या: वैक्सीन, जिसे माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्राणी (एम.आई.पी.) के रूप में जाना जाता है, को स्वदेशी रूप से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी द्वारा विकसित किया गया है। यह वैक्सीन कुष्ठ रोगियों के संपर्क में रहने वालों को निवारक उपाय के रूप में दी जाएगी। इसे राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम (एन.एल.ई.पी.) में प्रस्तावित किया गया है। 30 जनवरी को राष्ट्रीय कुष्ठ दिवस के रूप में मनाया जाता है।

अत: विकल्प (a) सही है।

7. भ्रष्टाचार धारणा/बोध सूचकांक निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी किया जाता है?

a. विश्व आर्थिक मंच
b. रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स
c. एमनेस्टी इंटरनेशनल
d. ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल

उत्तर (d)

व्याख्या: ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल

- ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना बर्लिन, जर्मनी में 1993 में की गई थी।
- यह वैश्विक भ्रष्टाचार बैरोमीटर और भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक जैसी विभिन्न रिपोर्टों को प्रकाशित करता है। **अत: विकल्प (d) सही है।**
- वर्ष 2018 में ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी 'भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक' (सी.पी.आई.) में भारत 180 देशों में से 78वें स्थान पर है, 2017 में 81वें स्थान पर और वर्ष 2016 में 79वें स्थान पर था।
- यह सूचकांक सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार के कथित स्तरों के आधार पर देशों की रैंकिंग करता है।
- यह 0 से 100 के पैमाने का उपयोग करता है, जहाँ 0 अत्यधिक भ्रष्ट और

100 बहुत बेहतर स्थिति मानी जाती है।

8. प्रशांत गठबंधन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. यह प्रशांत द्वीपीय देशों का एक सैन्य व आर्थिक गठबंधन है।
   2. यह द्वीपीय देशों को प्रभावित करने वाली पर्यावरणीय समस्याओं पर केंद्रित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (d)

व्याख्या: प्रशांत गठबंधन

- लैटिन अमेरिका से उभरने वाले नवीनतम आर्थिक समूहों में से एक प्रशांत गठबंधन को एशियाई बाज़ारों के लिये एक क्षेत्रीय प्रवेश द्वार बनाने हेतु डिजाइन किया गया है। चिली, कोलंबिया, मेक्सिको और पेरू से बने इस समूह के सदस्य वाणिज्यिक, आर्थिक और राजनीतिक एकीकरण कर रहे हैं। यह समूह लैटिन अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद के एक-तिहाई से अधिक के लिये ज़िम्मेदार है और दक्षिणी साझा बाज़ार (मर्कोसुर) समूह की तुलना में लगभग 92 प्रतिशत अधिक निर्यात करता है।
- जबकि केवल सात वर्ष पुराने प्रशांत गठबंधन के सदस्यों ने विदेशी निवेश के लिये खुलापन और एक साझा बाज़ार के एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापार को उदार बनाने के लिये कदम उठाए हैं।

अत: कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं।

9. मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि (आई.एन.एफ.) निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a. यूरोपीय संघ के देशों से
b. चीन और पाकिस्तान से
c. वर्साय संधि के देशों से
d. संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस से

उत्तर (d)

व्याख्या: मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि (आई.एन.एफ.टी.)

- अमेरिका ने रूस के साथ मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि को रद्द कर दिया है।
- इस संधि पर दिसंबर 1987 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन और तत्कालीन सोवियत महासचिव मिखाइल गोर्बाचेव ने हस्ताक्षर किये थे।
- यह संधि संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ को 500 से 5,500 किलोमीटर रेंज वाली सतह से प्रक्षेपित क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों को रखने, परीक्षण और विस्तार करने पर रोक लगाती है।
- यह सभी भूमि-आधारित मिसाइलों को भी शामिल करती है, जिनमें परमाणु हथियार ले जाने वाली मिसाइलें भी शामिल थी, लेकिन समुद्र में लॉन्च की गई मिसाइलों को इसमें शामिल नहीं किया गया।
- इस संधि का उद्देश्य दो महाशक्तियों अमेरिका और यू.एस.एस.आर. के बीच हथियारों की होड़ को समाप्त करना था।

अत: विकल्प (d) सही है।

10. अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वत विकास केंद्र (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आई.सी.आई.एम.ओ.डी. केवल हिंदू कुश हिमालय (एच.के.एच.) क्षेत्र पर केंद्रित है।
2. इसके क्षेत्रीय सदस्यों में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्याँमार, नेपाल और पाकिस्तान शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: एकीकृत पर्वतीय विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.)

- एकीकृत पर्वतीय विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आई.सी.आई.एम.ओ.डी.) केवल हिंदू-कुश हिमालय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक क्षेत्रीय अंतर-सरकारी शिक्षण और ज्ञान साझाकरण केंद्र है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसके सदस्य हिंदू-कुश हिमालय क्षेत्र के आठ देश हैं- अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्याँमार, नेपाल एवं पाकिस्तान और काठमांडू (नेपाल) में स्थित है। **अत: कथन 2 सही है।**
- वैश्वीकरण और जलवायु परिवर्तन के कारण दुर्बल पर्वत पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और पहाड़ी लोगों की आजीविका पर प्रभाव पड़ रहा है।
- आई.सी.आई.एम.ओ.डी. का उद्देश्य पहाड़ी लोगों को इन परिवर्तनों को समझने, उनके अनुकूल होने और अनुकूल/प्रतिकूल मुद्दों का निराकरण करते हुए नए अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करना है।

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. केवल संसद राज्य क्षेत्रातीत विधान बना सकती है।
2. केवल संसद सभी केंद्र शासित प्रदेशों की शांति, प्रगति और सुशासन के लिये नियम बना सकती है।
3. राज्यपाल यह निर्देश देने के लिये अधिकृत है कि संसद का कोई अधिनियम राज्य के अनुसूचित क्षेत्र में लागू नहीं होता है या विशिष्ट संशोधनों और अपवादों के साथ लागू होता है।
4. 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा राज्य सूची से कुछ विषयों को समवर्ती सूची में स्थानांतरित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. 1, 2, 3 और 4
b. केवल 1, 2 और 4
c. केवल 1, 3 और 4
d. केवल 2, 3 और 4

उत्तर (c)

व्याख्या: सद भारत के संपूर्ण राज्य-क्षेत्र या उसके किसी भाग के लिये विधि बना सकती है। भारत के राज्य-क्षेत्र में राज्य, केंद्रशासित प्रदेश और कोई भी अन्य क्षेत्र, जिसे समय विशेष के लिये भारत के राज्य-क्षेत्र में शामिल किया गया हो, शामिल हैं। संसद अकेले ही क्षेत्रातीत (Extra-territorial) विधि भी बना सकती है। **अत: कथन 1 सही है।**

- राष्ट्रपति चार केंद्रशासित प्रदेशों- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव की शांति, प्रगति और सुशासन के लिये नियम बना सकता है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- संसद और राज्य विधानमंडल, दोनों ही समवर्ती सूची में शामिल किसी भी विषय के संबंध में कानून बना सकते हैं। इस सूची में वर्तमान में आपराधिक विधि और प्रक्रिया, नागरिक प्रक्रिया, विवाह और तलाक, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, विद्युत, श्रम कल्याण, आर्थिक व सामाजिक नियोजन, दवाएँ, समाचार-पत्र, किताबें और प्रिंटिंग प्रेस सहित 52 विषय (मूल रूप से 47 विषय) शामिल हैं। वर्ष 1976 के 42वें संशोधन अधिनियम द्वारा राज्य सूची में शामिल पाँच विषयों - (a) शिक्षा, (b) वन, (c) माप-तौल, (d) वन्यजीव एवं पक्षी संरक्षण, और (e) न्याय का प्रशासन; सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को छोड़कर सभी न्यायालयों का गठन और संगठन को समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया। **अत: कथन 4 सही है।**
- राज्यपाल को यह निर्देश देने का अधिकार है कि संसद का कोई अधिनियम राज्य के किसी अनुसूचित क्षेत्र पर लागू नहीं होगा अथवा विशिष्ट रूपांतरण और अपवादों के साथ लागू होगा। **अत: कथन 3 सही है।**

12. जब राज्यसभा राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने के लिये संसद को अनुमति देने वाले संकल्प को पारित कर देती है, तो:
    1. ऐसे संकल्प को राज्यसभा में साधारण बहुमत से समर्थित होना चाहिये।
    2. ऐसा संकल्प 6 महीने तक प्रभाव में रहता है।
    3. 6 महीने समाप्त होने के बाद जब संकल्प लागू नहीं होता है तो यह कानून प्रभावी नहीं रहता है।

    उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

    a. केवल 1 और 2
    b. केवल 2
    c. केवल 3
    d. केवल 1 और 3

उत्तर (c)

व्याख्या: यदि राज्यसभा यह घोषणा करती है कि राष्ट्रीय हित में यह आवश्यक है कि संसद राज्य सूची में उल्लेखित किसी विषय पर कानून बनाए, तो संसद उस विषय पर कानून बनाने के लिये सक्षम हो जाती है। इस तरह का प्रस्ताव उपस्थित और मतदान करने वाले दो-तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित होना चाहिये। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- यह प्रस्ताव एक वर्ष तक लागू रहता है; इसे किसी भी समय नवीनीकृत किया जा सकता है लेकिन एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- प्रस्ताव के प्रवर्तनीय नहीं रह जाने पर के बाद में छह माह की अवधि की समाप्ति पर, ये कानून निष्प्रभावी हो जाते हैं। यह प्रावधान राज्य विधानमंडल की इसी विषय पर कानून बना सकने की शक्ति को निर्बंधित नहीं करता है। किंतु, राज्य कानून और संसदीय कानून के बीच असंगति की स्थिति में संसदीय कानून ही प्रभावी होता है। **अत: कथन 3 सही है।**

13. किस संशोधन अधिनियम के तहत राष्ट्रपति भारत के किसी क्षेत्र विशेष में राष्ट्रीय आपातकाल के क्रियान्वयन को सीमित करने के लिये सक्षम होता है?

    a. 42वाँ संशोधन अधिनियम, 1976
    b. 44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978
    c. 12वाँ संशोधन अधिनियम, 1962
    d. 26वाँ संशोधन अधिनियम, 1971

उत्तर (a)

व्याख्या: 42वाँ संशोधन अधिनियम, 1976:

1. प्रस्तावना में तीन नए शब्द (समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता) जोड़े गए।
2. नागरिकों द्वारा अनुपालन हेतु मौलिक कर्त्तव्य जोड़े गए (नए भाग-IV A का प्रवेश)।
3. राष्ट्रपति पर मंत्रिमंडल की सलाह मानने की बाध्यता आरोपित की गई।
4. प्रशासनिक अधिकरणों और अन्य विषयों के लिये अधिकरणों की स्थापना के प्रावधान किये गए (भाग-XIV A जोड़ा गया)।
5. वर्ष 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या को निश्चित कर दिया गया।
6. संवैधानिक संशोधन को न्यायिक परीक्षण के दायरे से बाहर कर दिया गया।
7. सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों की न्यायिक समीक्षा और रिट क्षेत्राधिकार की शक्ति को कम कर दिया गया।
8. लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को 5 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया।
9. प्रावधान किया गया कि नीति-निदेशक सिद्धांतों को लागू करने के लिये बनाए गए कानूनों द्वारा कुछ मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर उन्हें न्यायालयों द्वारा अवैध घोषित नहीं किया जा सकता।
10. राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से निपटने के लिये कानून बनाने हेतु संसद को सशक्त किया गया और इस तरह के कानून को मौलिक अधिकारों पर प्रधानता दी गई।
11. तीन नए नीति-निदेशक तत्त्व शामिल किये गए: समान न्याय और नि:शुल्क विधिक सहायता; उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी; और पर्यावरण का संरक्षण तथा वन एवं वन्यजीवों की रक्षा।
12. भारत के राज्य-क्षेत्र के किसी भाग में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करने की शक्ति प्रदान की गई। **अत: विकल्प (a) सही है।**
13. किसी राज्य में एक बार में राष्ट्रपति शासन लगाने की अवधि को 6 महीने से बढ़ाकर एक वर्ष कर दिया गया।
14. विधि व व्यवस्था की गंभीर स्थिति से निपटने के लिये केंद्र को किसी भी राज्य में सशस्त्र बलों को तैनात करने का अधिकार दिया गया।
15. राज्य सूची में शामिल पाँच विषयों- (a) शिक्षा, (b) वन, (c) माप-तौल, (d) वन्यजीव एवं पक्षी संरक्षण, और (e) न्याय का प्रशासन; सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को छोड़कर सभी न्यायालयों का गठन और संगठन को समवर्ती सूची में स्थानांतरित कर दिया गया।
16. संसद और राज्य विधानमंडल में गणपूर्ति (कोरम) की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया।
17. संसद को समय-समय पर अपने सदस्यों और समितियों के अधिकारों और विशेषाधिकारों को तय करने का अधिकार दिया गया।
18. अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की स्थापना का प्रावधान किया गया।
19. प्रस्तावित दंड के मामले में सिविल सेवक को दूसरे चरण की जाँच के उपरांत प्रतिवेदन के अधिकार को समाप्त कर अनुशासनात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया की अवधि को घटा दिया गया।

44वाँ संशोधन अधिनियम, 1978:

1. लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के कार्यकाल को पूर्ववत (5 वर्ष) कर दिया गया।
2. संसद और राज्य विधानमंडल में गणपूर्ति (कोरम) के प्रावधान को पूर्ववत कर दिया गया।
3. संसदीय विशेषाधिकारों के संबंध में ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स के संदर्भ को हटा दिया गया।
4. संसद एवं राज्य विधानमंडल की कार्यवाही की रिपोर्ट के समाचार-पत्रों में प्रकाशन के लिये संवैधानिक संरक्षण प्रदान किया गया।
5. राष्ट्रपति को मंत्रिमंडल की सलाह को पुनर्विचार के लिये एक बार भेजने की शक्ति प्रदान की गई, लेकिन पुनर्विचार के बाद उसे मानने की बाध्यता आरोपित की गई।
6. अध्यादेश जारी करने में राष्ट्रपति, राज्यपाल एवं प्रशासक की संतुष्टि अंतिम मानने के उपबंध को समाप्त किया गया।
7. उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय की कुछ शक्तियों की पुनर्स्थापना।
8. राष्ट्रीय आपात के संबंध में 'आंतरिक अशांति' के स्थान पर 'सशस्त्र विद्रोह' शब्द को स्थापित किया गया।
9. राष्ट्रपति केवल मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर ही आपातकाल की घोषणा कर सकता है।
10. राष्ट्रीय आपात और राष्ट्रपति शासन के संदर्भ में प्रक्रियागत रक्षोपायों की व्यवस्था की गई।
11. 'संपत्ति के अधिकार' को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर विधिक अधिकार बना दिया गया।
12. यह व्यवस्था की कि अनुच्छेद-20 और 21 द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों को राष्ट्रीय आपातकाल में भी निलंबित नहीं किया जा सकता।
13. उस उपबंध की समाप्ति की जिसके द्वारा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के निर्वाचन संबंधी विवादों पर न्यायालय की निर्णयन शक्ति को छीन लिया गया था।

14. जनता दल सरकार द्वारा 1975 के आपातकाल की परिस्थितियों की जाँच करने के लिये निम्नलिखित में से किस आयोग की नियुक्ति की गई थी?

a. सरकारिया आयोग
b. शाह आयोग
c. मुखर्जी आयोग
d. कोठारी आयोग

उत्तर (b)

व्याख्या: शाह आयोग: वर्ष 1975 में घोषित आपातकाल (आंतरिक आपातकाल) अत्यंत विवादास्पद साबित हुआ। आपातकालीन शक्तियों के दुरुपयोग की व्यापक आलोचना हो रही थी। आपातकाल के बाद वर्ष 1977 में आयोजित लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कॉन्ग्रेस पार्टी हार गई और जनता पार्टी सत्ता में आई। नई सरकार ने शाह आयोग को नियुक्त किया जिसे उन परिस्थितियों की जाँच करनी थी जिनके कारण वर्ष 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी। आयोग ने अपने परीक्षण में आपातकाल की घोषणा को उचित नहीं पाया। इसलिये आपातकालीन प्रावधानों के दुरुपयोग को रोकने के लिये 1978 में 44वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से विभिन्न रक्षोपाय लाए गए। **अत: विकल्प (b) सही है।**

- **सरकारिया आयोग:** केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संबंध और शक्ति-संतुलन के परीक्षण और संवैधानिक

दायरे के अंतर्गत इनमें परिवर्तन हेतु सुझाव देने के लिये भारत सरकार द्वारा जून 1983 में इस आयोग का गठन किया गया।

- **कोठारी आयोग:** भारतीय शैक्षणिक क्षेत्र के सभी पहलुओं के परीक्षण, शिक्षा के एक सामान्य प्रारूप के विकास और भारत में शिक्षा के लिये दिशा-निर्देशों व नीतियों पर सलाह देने के लिये एक तदर्थ आयोग के रूप में भारत सरकार द्वारा इस आयोग का गठन किया गया था।
- **मुखर्जी आयोग:** भारत सरकार द्वारा 1999 में सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु की जाँच व अध्ययन के लिये इस एक-सदस्यीय आयोग (सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मनोज मुखर्जी) का गठन किया गया था।

15. भारतीय परिषद् अधिनियम, 1861 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. वायसराय के विधायी परिषद् में नियुक्त तीन गैर-आधिकारिक सदस्यों में से एक सर दिनकर राव थे।
    2. इस अधिनियम में पंजाब प्रांत के लिये पृथक विधायी परिषद् की स्थापना के लिये प्रावधान किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: 1861 के भारत परिषद अधिनियम ने भारतीयों को विधि निर्माण बनाने की प्रक्रिया से जोड़कर प्रतिनिधि संस्थानों की शुरुआत की। इस प्रकार वायसराय को कुछ भारतीयों को अपनी विस्तारित परिषद के गैर-सरकारी सदस्यों के रूप में मनोनीत करने की शक्ति दी गई थी। 1862 में तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कैनिंग ने विधानपरिषद में तीन भारतीयों- बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा और सर दिनकर राव को अपनी विधानपरिषद में मनोनीत किया। **अत: कथन 1 सही है।**

- इस अधिनियम में बंगाल, उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत (एन.डब्ल्यू.एफ.पी.) और पंजाब के लिये नई विधानपरिषदों की स्थापना के लिये भी प्रावधान किया गया था, जो क्रमश: 1862, 1866 और 1886 में स्थापित हुईं। **अत: कथन 2 सही है।**
- अधिनियम के द्वारा 1859 में लॉर्ड कैनिंग द्वारा शुरू की गई 'पोर्टफोलियो' प्रणाली को भी मान्यता दी गई। इसके अंतर्गत वायसराय की परिषद के किसी सदस्य को एक या एक से अधिक सरकारी विभागों का प्रभारी बनाया जा सकता था और उसे इस विभाग में परिषद की ओर से अंतिम आदेश पारित करने के लिये अधिकृत किया गया था।
- अधिनियम के द्वारा वायसराय को आपातकाल के दौरान विधान परिषद की संस्तुति के बिना भी अध्यादेश जारी करने के लिये अधिकृत किया गया।

16. भारत सरकार अधिनियम, 1919 किस प्रकार भारत सरकार अधिनियम, 1935 से अलग था?
    1. भारत सरकार अधिनियम, 1919 में सिखों, भारतीय ईसाइयों और यूरोपियों को पृथक् निर्वाचन मंडल प्रदान किये गए थे जबकि भारत सरकार अधिनियम, 1935 में अनुसूचित जातियों को पृथक् निर्वाचन मंडल प्रदान किये गए।
    2. भारत सरकार अधिनियम, 1919 में फेडरल न्यायालय की स्थापना के

प्रावधान किये गए थे जबकि भारत सरकार अधिनियम, 1935 में एक लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिये प्रावधान किये गए थे।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: भारत शासन अधिनियम, 1919 के द्वारा सिखों, भारतीय ईसाइयों, आंग्ल-भारतीयों और यूरोपीय लोगों के लिये पृथक् निर्वाचन की व्यवस्था करके सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को विस्तार दिया गया। भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा दलित वर्गों (अनुसूचित जातियों), महिलाओं और श्रमिकों के लिये पृथक् निर्वाचन की व्यवस्था कर सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को और विस्तार दिया गया। **अत: कथन 1 सही है।**

- भारत शासन अधिनियम, 1919 द्वारा एक लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान किया गया। इस प्रकार 1926 में सिविल सेवकों की भर्ती के लिये एक केंद्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किया गया। भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा एक संघीय न्यायालय की स्थापना का प्रावधान किया गया था जिसे 1937 में स्थापित किया गया। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

17. भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के गवर्नर जनरल को राज्य के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था।
2. गवर्नर जनरल के पास किसी विधेयक को वीटो करने का अधिकार सुरक्षित था।
3. वायसराय के पद को समाप्त कर दिया गया लेकिन भारत के राज्य सचिव का पद वर्ष 1950 तक सक्रिय रहा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर (c)

व्याख्या: भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ने भारत के गवर्नर-जनरल और प्रांतीय गवर्नरों को राज्यों के संवैधानिक (सांकेतिक) प्रमुख के रूप में नियुक्त किया। उन्हें सभी मामलों में संबंधित मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्रवाई करने के लिये बाध्य रखा गया। **अत: कथन 1 सही है।**

- इस अधिनियम ने विधेयकों को वीटो करने या अपनी मंज़ूरी के लिये कुछ विधेयकों को आरक्षित करने के अधिकार से ब्रिटिश शासक को वंचित कर दिया। लेकिन यह विशेष अधिकार गवर्नर-जनरल के लिये आरक्षित बना रहा। गवर्नर-जनरल के पास ब्रिटिश शासक के नाम पर किसी भी विधेयक को स्वीकार करने की संपूर्ण शक्ति बनी रही। **अत: कथन 2 सही है।**
- वायसराय के पद को और ब्रिटेन में भारत सचिव के पद को समाप्त कर दिया गया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

18. निम्नलिखित में से किसको संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में चुना गया था?

a. गोपीनाथ बारदोलोई
b. अल्लादी कृष्णास्वामी
c. जी.वी. मावलंकर

d. सच्चिदानंद सिन्हा

उत्तर (d)

व्याख्या: संविधान सभा ने 9 दिसंबर, 1946 को अपनी पहली बैठक आयोजित की थी।

- फ्राँसीसी परंपरा के अनुरूप सभा के सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को संविधान सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। **अत: विकल्प (d) सही है।**
- बाद में डॉ. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसी प्रकार, एच.सी. मुखर्जी और वी.टी. कृष्णामाचारी संविधान सभा के उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। दूसरे शब्दों में, संविधान सभा के दो उपाध्यक्ष थे।
- संविधान सभा द्वारा संविधान निर्माण के अलग-अलग कार्यों के लिये कई समितियों की नियुक्ति की गई।
- उत्तर-पूर्वी सीमांत जनजातीय क्षेत्र व असम को छोड़कर तथा आंशिक रूप से छोड़े गए क्षेत्रों के लिये उप-समिति - गोपीनाथ बारदोलोई
- प्रत्यायक समिति (Credentials Committee) - अल्लादी कृष्णास्वामी अबयर
- संविधान सभा के कार्यों के लिये समिति - जी.वी. मावलंकर

19. भारत के संविधान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के प्रशासन से संबंधित अधिकांश भाग भारत सरकार अधिनियम, 1935 से लिये गए थे।
2. भारतीय संविधान का राजनीतिक हिस्सा ब्रिटेन के संविधान से लिया गया था।
3. भारतीय संविधान के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित दार्शनिक भाग आयरलैंड और अमेरिका के संविधान से प्रेरित था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर (a)

व्याख्या: संविधान का दार्शनिक भाग (मौलिक अधिकार और राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत) आयरिश संविधान से प्रेरित है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

- संघीय व्यवस्था, न्यायपालिका, राज्यपाल, आपातकालीन शक्तियाँ, लोक सेवा आयोग और अधिकांश प्रशासनिक विवरण भारत शासन अधिनियम, 1935 से लिये गए हैं। **अत: कथन 1 सही है।**
- संविधान का राजनीतिक भाग (मंत्रिमंडलीय सरकार का सिद्धांत और कार्यपालिका व विधायिका के बीच संबंध) मुख्यत: ब्रिटिश संविधान से लिया गया है। **अत: कथन 2 सही है।**

20. विदेशी क्षेत्रों को 'सत्तांतरण' (Cession) के अंतर्गत अधिग्रहण के लिये भारतीय संविधान में अपनाए गए निम्नलिखित में से कौन-से तरीकों को अंतर्राष्ट्रीय कानूनों द्वारा मान्यता प्राप्त है?

1. संधि
2. जनमत संग्रह
3. लीज़
4. विजित क्षेत्र
5. खरीद

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 1, 2, 3 और 5
c. केवल 2, 3, 4 और 5
d. 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर (b)

व्याख्या: एक संप्रभु राज्य होने के नाते भारत अंतर्राष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त प्रारूप के अनुसार विदेशी क्षेत्रों का अधिग्रहण कर सकता है, इसके निम्न तरीके हो सकते हैं:

- **सत्तांतरण (cession):** किसी राज्य द्वारा अधिकारों, संपत्ति या क्षेत्र का औपचारिक त्याग।
- **पट्टा (lease):** एक अनुबंध, जिसके द्वारा एक पक्ष एक विशिष्ट अवधि के लिये दूसरे पक्ष को सामान्यत: आवधिक भुगतान प्राप्त करके भूमि, संपत्ति, सेवाओं आदि का अधिकार सौंपता है।
- **जनमत संग्रह (plebiscite):** संविधान में परिवर्तन जैसे महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक प्रश्न पर निर्वाचक मंडल के सभी सदस्यों का प्रत्यक्ष मत।
- **आधिपत्य या कब्ज़ा (occupation):** ऐसे क्षेत्र पर विजय कर कब्ज़ा कर लेना जिसे अभी तक किसी मान्य शासक ने अधिगृहीत न किया हो। **अत: विकल्प (b) सही है।**

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भूमि अवक्रमण तटस्थता एक ऐसी स्थिति है जहाँ किसी विशेष क्षेत्र में उपलब्ध भूमि की गुणवत्ता या तो स्थिर रहती है या बढ़ जाती है।
    2. संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय ने एजेंडा 2030 को बढ़ावा दिया है ताकि इसके तहत भूमि अवक्रमण तटस्थता को प्राप्त किया जा सके।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: भूमि अवनति तटस्थता (LDN) संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पक्षकारों द्वारा मरुस्थलीकरण के रूप में परिभाषित किया गया है:

- एक अवस्था जिसमें भूमि संसाधनों की मात्रा और गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों तथा सेवाओं का समर्थन करने एवं खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिये आवश्यक है, स्थिर रहती है या स्थानिक पैमाने के अनुसार निर्दिष्ट समय में पारिस्थितिक तंत्र के भीतर बढ़ जाती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (UNCCD) और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP), संयुक्त राष्ट्र महासभा को '2030 एजेंडा फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' को अपनाने तथा भूमि अवनति तटस्थता को बढ़ावा देने के लिये एक साथ आए। **अत: कथन 2 सही है।**

22. कभी-कभी समाचारों में रहने देने वाला पद 'इलास्टोकेलोरिक प्रभाव' संबंधित है:

a. शीतलन और प्रशीतन से
b. तनाव के कारण विद्युत उत्पादन से
c. तनाव और खिंचाव के बीच के संबंध से
d. तापमान परिवर्तन के प्रतिक्रिया में विद्युत उत्पादन से

उत्तर (a)

व्याख्या: जर्नल साइंस में प्रकाशित एक शोध के अनुसार यदि इलास्टोकेलोरिक प्रभाव को बढ़ा दिया जाता है तो फ्रिज और एयर-कंडीशनर में उपयोग किये जाने वाले द्रव प्रशीतक की आवश्यकता को दूर करने में सक्षम हो सकते हैं।

इलास्टोकेलोरिक प्रभाव

- जब रबर बैंड को घुमाया जाता है तो यह ठंडा प्रभाव उत्पन्न करता है। इसे 'इलास्टोकेलोरिक' प्रभाव कहा जाता है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

- **पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव:** प्रायोगिक यांत्रिक तनाव के सापेक्ष वैद्युत आवेश उत्पन्न करने के लिये कुछ सामग्रियों की क्षमता।
- **यंग मॉड्यूल्स ऑफ एलास्टिसिटी:** तनाव (प्रति इकाई क्षेत्र बल) और खिंचाव के बीच संबंध।
- **सीबेक प्रभाव:** दो विद्युत कंडक्टर या अर्धचालक के बीच तापमान अंतर वोल्टेज अंतर उत्पन्न करता है।

23. मुद्रा बाज़ार निधि को निम्नलिखित में से किस प्रकार के ऋण आधारित वित्तीय साधनों में निवेश किये जाने की संभावना होती है?
    1. जमा पत्र
    2. वाणिज्यिक पत्र
    3. पुनर्खरीद समझौते
    4. बैंकरों की स्वीकृति

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर (d)

व्याख्या: मुद्रा बाज़ार निधि एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो केवल अत्यधिक तरल साधनों जैसे कि नकद, नकद समकक्ष प्रतिभूतियों और अल्पकालिक परिपक्वता (13 महीने से कम) के साथ उच्च क्रेडिट रेटिंग ऋण-आधारित प्रतिभूतियों में निवेश करता है।

- ये फंड बहुत कम स्तर के जोखिम के साथ उच्च तरलता प्रदान करते हैं।
- मनी मार्केट फंड किसी भी म्यूचुअल फंड की तरह काम करते हैं।

एक मुद्रा बाज़ार निधि को निम्नलिखित प्रकार के ऋण आधारित वित्तीय साधनों में निवेश कर सकते हैं:

- **बैंकरों की स्वीकृति:** एक वाणिज्यिक बैंक द्वारा गारंटीकृत अल्पावधि ऋण।
- **जमा प्रमाण पत्र (CDs): अल्पकालिक परिपक्वता के साथ बैंक द्वारा जारी बचत प्रमाण पत्र।**
- **वाणिज्यिक पत्र:** अप्रतिभूति अल्पकालिक कॉर्पोरेट ऋण।
- **पुनर्खरीद समझौते (Repo): अल्पकालिक सरकारी प्रतिभूतियाँ। अत: विकल्प (d) सही है।**
- **अमेरिकी ट्रेजरी:** अल्पकालिक सरकारी ऋण।

मुद्रा बाज़ार निधि के प्रकार:

- प्राइम मनी फंड अस्थायी ऋण दर और गैर-ट्रेजरी परिसंपत्तियों के वाणिज्यिक परिपत्र में निवेश करता है जो निगमों, अमेरिकी सरकारी एजेंसियों और सरकार द्वारा प्रायोजित उद्यमों (GSEs) द्वारा जारी किये गए।
- सरकारी धन कोष अपनी कुल संपत्ति का कम से कम 99.5% नकदी, सरकारी प्रतिभूतियों और पुनर्खरीद समझौतों में निवेश करता है जो पूरी तरह से नकदी या सरकारी प्रतिभूतियों द्वारा आनुषंगिक होते हैं।
- ट्रेजरी फंड यू.एस. ट्रेजरी से निर्गत स्तरीय ऋण प्रतिभूतियों जैसे बिल, बॉन्ड और नोट में निवेश करता है।
- कर-मुक्त मुद्रा कोष के अंतर्गत हुई कमाई अमेरिकी संघीय आयकर से मुक्त हैं। सटीक प्रतिभूतियों के आधार पर इसमें निवेश करने वालों को राज्य आयकर से छूट प्राप्त हो सकती है। नगरपालिका बॉन्ड और अन्य ऋण प्रतिभूतियाँ मुख्य रूप से इस प्रकार के मुद्रा बाज़ार फंड का गठन करती

24. उत्सर्जन में कटौती एवं खरीद समझौता (ई.आर.पी.ए.) निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a. रामसर अभिसमय से
b. स्टॉकहोम अभिसमय से
c. मिनामाता अभिसमय से
d. क्योटो प्रोटोकॉल से

उत्तर (d)

व्याख्या: उत्सर्जन में कटौती एवं खरीद समझौता (ERPA) कार्बन क्रेडिट खरीदने और बेचने वाली संस्थाओं के बीच एक कानूनी अनुबंध है।

- कार्बन क्रेडिट एक परमिट या प्रमाण पत्र है जो धारक को कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) या अन्य ग्रीनहाउस गैसों (GHG) को वायुमंडल में छोड़ने की अनुमति देता है।
- एक प्रकार के समझौताकारी तालमेल के अंतर्गत कार्बन क्रेडिट का एक खरीदार क्योटो प्रोटोकॉल द्वारा आवंटित CO_2 के स्तर से अधिक उत्सर्जन करने के अधिकार के लिये नकद भुगतान करता है तथा विक्रेता कम CO_2 उत्पादन करने के दायित्व के लिये नकद प्राप्त करता है। इस समझौते के तहत लेन-देन करने के लिये दोनों पक्षों को उत्सर्जन में कटौती एवं खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिये।
- क्योटो प्रोटोकॉल: वर्ष 1997 में 192 औद्योगिक देशों द्वारा जापान के क्योटो शहर में हस्ताक्षरित किया गया। यह जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिये हमारे पास कार्यरत वैश्विक समझौतों में सबसे प्रभावकारी है।
- उत्सर्जन में कटौती एवं खरीद समझौते के मानकों को अंतर्राष्ट्रीय उत्सर्जन व्यापार संघ (IETA) द्वारा रेखांकित किया गया है। यह वर्ष 1999 में बनाया गया एक गैर-लाभकारी संगठन है जो कार्बन क्रेडिट व्यापार में लगे व्यवसायों को सेवा प्रदान करता है। **अत: विकल्प (d) सही है।**

25. राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (आई.एन.डी.सी.) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह कानकुन शिखर सम्मेलन के तहत निर्धारित जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को प्राप्त करने से संबंधित है।
2. आई.एन.डी.सी. दिशा-निर्देश दस्तावेज विश्व संसाधन संस्थान द्वारा तैयार किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (b)

व्याख्या: विश्व भर के देशों ने वर्ष 2015 में पेरिस में यू.एन. फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) के कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (COP21) में एक ऐतिहासिक अंतर्राष्ट्रीय जलवायु समझौते को अपनाया।

- सभी देशों ने सार्वजनिक रूप से रेखांकित किया कि वर्ष 2020 के बाद जलवायु कार्रवाई के नए अंतर्राष्ट्रीय समझौते के तहत उन्हें कार्य करना है, जिसे उनके राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों (INDCs) के रूप में जाना जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- जलवायु क्रियाएँ काफी हद तक यह निर्धारित करती हैं कि INDCS के अंतर्गत विश्व पेरिस समझौते के दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करता है जिनमें वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे लाना, तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के प्रयासों को आगे

बढ़ाना, और इस शताब्दी के दूसरे भाग में शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना शामिल है।

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) के साथ साझेदारी में, विश्व संसाधन संस्थान (WRI) ने शमन और अनुकूलन घटकों के साथ INDC की विस्तृत डिजाइन और तैयारी का समर्थन करने के लिये एक INDC मार्गदर्शन दस्तावेज तैयार किया। **अत: कथन 2 सही है।**

26. निम्नलिखित में से कौन-सा संगठन सार्वभौमिक आवधिक समीक्षा का संचालन करता है?

a. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद
b. शरणार्थियों के लिये संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त
c. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद
d. संयुक्त राष्ट्र महासभा

उत्तर (a)

व्याख्या: यूनिवर्सल पीरियाडिक रिव्यू (UPR) मानव अधिकार परिषद (HRC) का एक अनूठा तंत्र है जिसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र (यू.एन.) के सभी 193 सदस्य देशों की ज़मीनी-स्तर पर मानवाधिकारों की स्थिति में सुधार करना है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

- इस तंत्र के अंतर्गत प्रत्येक 5 वर्षों में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों की मानवाधिकारों की स्थिति की समीक्षा की जाती है।
- प्रत्येक वर्ष 14 देशों को समर्पित तीन कार्य समूह सत्रों के दौरान समीक्षा की जाती है। ये तीन सत्र आमतौर पर जनवरी/फरवरी, मई/जून और अक्तूबर/नवंबर में आयोजित किये जाते हैं।
- यू.पी.आर. पूर्णत: चक्रीय प्रक्रिया है जिसमें 3 प्रमुख चरण शामिल हैं:
    - कार्यान्वयन की समीक्षा और रिपोर्टिंग के लिये तैयारी।
    - स्टेट अंडर रिव्यू (SuR) की मानवाधिकार स्थिति की समीक्षा और रिपोर्ट को अपनाना।
    - सिफारिशों का कार्यान्वयन और मध्यावधि में रिपोर्टिंग।

27. भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी को महारत्न का दर्जा प्राप्त है।
2. यह विशिष्ट बैंकिंग सेवाओं में संलग्न हो सकती है लेकिन इसे बैंकिंग लाइसेंस प्राप्त नहीं है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (b)

व्याख्या: भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी:

- भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (IREDA) भारत सरकार का एक मिनी रत्न (श्रेणी-I) उपक्रम है, जो नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) के प्रशासनिक नियंत्रण में है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- IREDA 1987 में एक गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रूप में स्थापित एक पब्लिक लिमिटेड सरकारी कंपनी है, जो ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता/संरक्षण के नए और नवीकरणीय स्रोतों से संबंधित परियोजनाओं की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता को बढ़ावा देने, विकसित करने और विस्तार करने में लगी हुई है, जिसका उद्देश्य 'एनर्जी फॉर एवर' है।

- IREDA को कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 4'A' के तहत एक 'सार्वजनिक वित्तीय संस्था' के रूप में अधिसूचित किया गया है तथा भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NFBC) के रूप में पंजीकृत है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (NFBC) ऐसी संस्थाएँ हैं जो बैंक जैसी कुछ वित्तीय सेवाएँ प्रदान करती हैं, लेकिन उनके पास बैंकिंग लाइसेंस नहीं होता हैं। **अत: कथन 2 सही है।**

28. 'अग्रगामी प्रजातियों' के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ये पहले से बाधित या क्षतिग्रस्त पारिस्थितिक तंत्र पर बसने वाली पहली प्रजातियाँ हैं।
    2. ये प्राय: प्रकाश संश्लेषी पौधे होते हैं।
    3. शैवाल, मोसेस और लाइकेन अग्रगामी प्रजातियों के उदाहरण हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर (d)

व्याख्या: ऐसी प्रजातियाँ जो एक निर्जन क्षेत्र पर आक्रमण करती हैं, उन्हें अग्रणी प्रजाति कहा जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**

- जल के प्राथमिक अनुक्रमण में अग्रणी प्रजातियाँ छोटे फाइटोप्लांकटन (Phytoplanktons) होती हैं। चट्टानों पर प्राथमिक अनुक्रमण में आमतौर पर अग्रणी प्रजाति लाइकेन होते हैं जो चट्टान को तोड़ने में स्रावित करने में सक्षम होते हैं तथा अपक्षय और मिट्टी के गठन में मदद करते हैं। **अत: कथन 3 सही है।**
- चूँकि निर्जन या असिंचित क्षेत्र में हर प्रजाति के लिये अनुकूल परिस्थितियाँ नहीं होती हैं जैसे मिट्टी की पतली परत, कम पोषक तत्त्व, कठोर वातावरण इत्यादि। इस प्रकार की परिस्थितियों में केवल प्रकाश संश्लेषक पौधे ही अग्रणी प्रजातियों की भूमिका निभा सकते हैं क्योंकि उन्हें अपने ऊर्जा आवश्यकताओं लिये धूप की आवश्यकता होती है। **अत: कथन 2 सही है।**

29. REDD + कार्यक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसे जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र प्रेमवर्क अभिसमय (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) के पक्षकारों द्वारा विकसित किया गया है।
    2. इस कार्यक्रम के तहत विकासशील देशों को वन कार्बन उत्सर्जन को कम करने और समाप्त करने के प्रयासों के लिये वित्तीय सहायता दी जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: लगभग 17 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिये वनों की कटाई और वन क्षरण ज़िम्मेदार हैं, यह प्रतिशत पूरे वैश्विक परिवहन क्षेत्र से अधिक तथा ऊर्जा क्षेत्र के बाद दूसरा है।

- वैश्विक तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस के भीतर स्थिर करने के लिये, वन क्षेत्र से उत्सर्जन को कम करना आवश्यक है।
- वनों की कटाई और वन क्षरण से उत्सर्जन को कम करने के लिये, REDD+ जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यू.एन.एफ.सी.सी.) के पक्षकारों द्वारा विकसित एक तंत्र है। **अत: कथन 1 सही है।**

- इस कार्यक्रम के तहत, वनों में संग्रहीत कार्बन के लिये एक वित्तीय मूल्य बनाया गया है ताकि विकासशील देशों को वन भूमि से उत्सर्जन को कम करने और कम कार्बन तकनीकों में निवेश करते हुए सतत् विकास के लिये प्रोत्साहन की पेशकश की जा सके। **अत: कथन 2 सही है।**
- विकासशील देशों को परिणाम-आधारित कार्यों के लिये परिणाम-आधारित भुगतान किया जाता है।
- REDD+ केवल वनों की कटाई और वन क्षरण से संबंधित है तथा इसमें संरक्षण, वनों के सतत् प्रबंधन और वन कार्बन स्टॉक को बढ़ाने की भूमिका शामिल है।

30. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रकाश पोर्टल का उद्देश्य विद्युत मंत्रालय, कोयला मंत्रालय और रेलवे मंत्रालय के बीच समन्वय में सुधार करना है।
2. प्रकाश पोर्टल को कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (a)

व्याख्या:प्रकाश (PRAKASH) पोर्टल:

- सरकार ने बिजली संयंत्रों को कोयला आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये बिजली, कोयला और रेलवे मंत्रालयों के बीच समन्वय में सुधार करने के उद्देश्य से एक वेब पोर्टल, प्रकाश PRAKASH (पावर रेल कोयला उपलब्धता के आपूर्ति सद्भाव माध्यम से) शुरू किया है। **अत: कथन 1 सही है।**
- इसे एन.टी.पी.सी. तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.), रेलवे सूचना प्रणाली (सी.आर.आई.एस.) और कोयला कंपनियों जैसे विभिन्न हितधारकों के स्रोतों के डेटा द्वारा विकसित किया गया है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- यह पोर्टल आम जनता के लिये सुलभ नहीं है।

31. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. घाटे के वित्तीयन के लिये बाह्य सहायता सबसे अच्छा साधन है, भले ही इस पर कम ब्याज आरोपित हो।
2. उच्च विदेशी मुद्रा भंडारण उच्च राजकोषीय घाटे के नकारात्मक प्रभाव को समाप्त कर सकता है।
3. घाटे के वित्तपोषण के लिये आमतौर पर बाह्य उधार लेने से बचा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर (a)

व्याख्या: सरकार द्वारा घाटे के बजट का वित्तपोषण/समर्थन करने का कार्य, घाटे का वित्तपोषण कहलाता है।

घाटे के वित्तपोषण के प्रकार:

- बाहरी उपदान किसी सरकारी घाटे की आवश्यकताओं को पूरा करने का सबसे अच्छा साधन है, भले ही वह कम ब्याज़ के साथ आ रहा हो। अगर वह बिना ब्याज़ के मिल रहा हो, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। **अत: कथन 1 सही है।**
- यदि देश का विदेशी मुद्रा भंडार काफी अधिक है, तो यह उच्च राजकोषीय घाटे के नकारात्मक प्रभावों को

निष्प्रभावी कर देता है। **अत: कथन 2 सही है।**

- बाहरी उधारियाँ राजकोषीय घाटे की इस स्थिति के प्रबंधन का एक अन्य अच्छा तरीका है, यदि बाहरी ऋण तुलनात्मक रूप से सस्ता और दीर्घकालिक होता है। कठिन बाहरी ऋणों को देश की उत्तम निर्णयन प्रक्रिया में एक क्षरण माना जाता है। इसका अपना लाभ है और इसलिये निम्न दो कारणों के चलते इसे आंतरिक उधार से बेहतर माना जाता है:
    - बाहरी उधार विदेशी मुद्रा/कठोर मुद्रा (Hard Currency) में लाते हैं जो सरकार द्वारा किये जाने वाले खर्च के लिये अतिरिक्त बढ़त देता है क्योंकि इस माध्यम से सरकार देश के अंदर और साथ ही देश के बाहर से अपनी विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है।
    - इसे 'क्राउडिंग आउट इफेक्ट' के कारण आंतरिक उधार के ऊपर प्राथमिकता दी जाती है। यदि सरकार स्वयं देश के बैंकों से ऋण लेने के लिये जाती है तो निवेश के उद्देश्यों से अन्य लोग कहाँ से उधार लेंगे।

अत: कथन 3 सही नहीं है।

32. राजस्व घाटे को कम करने के लिये निम्नलिखित में से किसे सरकार द्वारा की गई मुख्य नीतिगत पहल कहा जाता है?
    1. पेंशन और भविष्य निधि के योगदान की मात्रा में कमी करना
    2. सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सब्सिडी की मात्रा को धीरे-धीरे कम करना
    3. रक्षा क्षेत्र पर होने वाले व्यय में कमी करना
    4. राज्य सरकारों को उनके योजनागत व्यय के लिये धन उधार लेने की अनुमति न देना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 1, 2 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर (b)

व्याख्या: राजस्व घाटे की कटौती की दिशा में नीतिगत पहल:

खर्च में कटौती-

- वेतन, पेंशन और पी.एफ. के बोझ को कम करना। **अत: कथन 1 सही है।**
- अनुदान में कटौती करना, पेट्रोलियम, उर्वरक, चीनी, दवाओं के लिये प्रशासित मूल्य तंत्र को तर्कसंगत (Rationalised) बनाना हालाँकि इसमें मिश्रित सफलता ही मिली है। **अत: कथन 2 सही है।**
- रक्षा व्यय का एक प्रमुख अंश होने के नाते चीन और पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय वार्त्ता की पहल की गई (जैसा कि माना गया है कि ये वे ऐतिहासिक और मनोवैज्ञानिक शत्रु हैं जिनके खिलाफ भारतीय रक्षा तैयारियों को निर्देशित किया गया था) ताकि सीमाओं पर रक्षा बलों की संख्या में कटौती का कार्य पूरा किया जा सके इत्यादि। **अत: कथन 3 सही है।**

राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि:

- कर सुधार (जी.एस.टी.)
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का विनिवेश

- अधिशेष विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग बाहरी ऋण देने और उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी संप्रभु बॉण्ड आदि खरीदने में किया जाता है।
- राज्य सरकारों को अपने योजना व्यय आदि के लिये बाज़ार उधार लेने की अनुमति। **अत: कथन 4 सही नहीं है।**

33. शून्य-आधारित बजटिंग की निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिये:
    1. शून्य-आधारित बजटिंग प्रत्येक कार्यक्रम एवं सार्वजनिक व्यय के गहन परीक्षण तथा जाँच का प्रावधान प्रदान करती है।
    2. संसाधनों एवं निधियों का प्राथमिकता आधारित आवंटन शून्य-आधारित बजटिंग की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: शून्य-आधारित बजटिंग में एजेंसियों को संसाधनों का आवंटन आवधिक पुनर्मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है। इस पुनर्मूल्यांकन के अंतर्गत एजेंसियों द्वारा वे सभी कार्यक्रम शामिल किये जाते हैं जिनके लिये वे उत्तरदायी हैं तथा उन्हें धन की आवश्यकता है। एजेंसी के बजट प्रस्ताव में प्रत्येक कार्यक्रम को जारी रखने या खत्म कर देने का औचित्य सिद्ध किया जाता है।

इस बजटिंग की तीन प्रमुख विशेषताएँ हैं, जो इसे पारंपरिक बजटिंग प्रक्रिया से अलग करती हैं। संक्षेप में, ये विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- इसमें पारंपरिक समग्र दृष्टिकोण लागू नहीं होता है, जिसमें सरकार का प्रत्येक विभाग यौगिक और समग्र रूप में कई गतिविधियों के लिये अपना बजट तैयार करता है। अत: प्रत्येक गतिविधि को जाँचना मुश्किल हो जाता है। इसके स्थान पर प्रत्येक विभाग को अर्थमिति (Econometrics) की गणितीय तकनीक, अर्थात् लागत-लाभ विश्लेषण का उपयोग करके बजट दस्तावेज़ में अपने अस्तित्व और सातत्य (Continuance) को सही ठहराने की आवश्यकता होती है। संक्षेप में, यह प्रत्येक विभाग की प्रत्येक गतिविधि का 'एक्स-रे परीक्षण' है और एक बार औचित्य प्रमाणित होने के बाद ही उन्हें धन आवंटित किया जाता है।
- सार्वजनिक व्यय में मितव्ययिता इस बजट के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क है इसीलिये शून्य-आधारित बजटिंग में प्रत्येक कार्यक्रम और सार्वजनिक खर्च के गहन परीक्षण और जाँच के प्रावधान हैं। अंत में, जनता को प्राप्त विभिन्न सार्वजनिक सेवाओं के लाभों के वर्तमान स्तर को प्रभावित किये बिना सार्वजनिक व्यय में कटौती की जाती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- प्रतिस्पर्द्धी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देना शून्य-आधारित बजटिंग की एक अन्य विशेषता है। अर्थव्यवस्था की विभिन्न आवश्यकताओं के लिये धन आवंटित करने से पहले प्राथमिकता का क्रम अत्यंत वस्तुनिष्ठता के साथ तैयार किया जाता है। चूँकि संसाधन/निधि हमेशा दुर्लभ होते हैं, प्राथमिकता आधारित आवंटन की प्रक्रिया में क्रम में नीचे स्थित वस्तु/वस्तुओं को कोई भी निधि नहीं मिलने की स्थिति भी बन सकती है। **अत: कथन 2 सही है।**

34. प्रगामी करारोपण प्रतिगामी करारोपण से किस प्रकार भिन्न है?

1. प्रगामी करारोपण में जिस मूल्य या मात्रा पर कर आरोपित किया गया है, उसमें वृद्धि के साथ कर की दरें बढ़ती जाती हैं, वहीं प्रतिगामी करारोपण के मामले में जिस मूल्य या मात्रा पर कर लगाया गया है उसमें वृद्धि के साथ कर की दरें घटती जाती हैं।
2. निम्न आय समूह प्रगामी कर के लाभार्थी हैं जबकि उच्च आय वर्ग प्रतिगामी कर के लाभार्थी हैं।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: प्रगतिशील कराधान विधि के अंतर्गत जिस मूल्य या मात्रा पर कर लगाया जा रहा है उसके बढ़ने पर कर की दरें बढ़ जाती हैं। जबकि प्रतिगामी कराधान में जिस मूल्य या मात्रा पर लगाया जा रहा है उस पर कर की दर बढ़ते हुए मूल्य या मात्रा के साथ घट जाती है। **अत: कथन 1 सही है।**

- **प्रगतिशील कराधान में:** यह विचार उन लोगों पर कम कर लगाने का है जिनकी आय कम है तथा अधिक आय वाले लोगों पर अधिक कर लगाया जाता है। इसके अंतर्गत आय अर्जित करने वाले लोगों को विभिन्न खंडों में वर्गीकृत किया गया है।
- **प्रतिगामी कराधान:** उच्च उत्पादकों या आय प्राप्तकर्त्ताओं को पुरस्कृत करने के लिये इस व्यवस्था की सराहना की जाती है, जबकि गरीबों और निम्न उत्पादकों पर अधिक कर लगाने के लिये इसकी आलोचना की जाती है। **अत: कथन 2 सही है।**

35. 14वें वित्त आयोग की रिपोर्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रिपोर्ट में स्थानीय सरकारों के लिये परिकल्पित अनुदान का अधिकांश भाग नगरपालिकाओं को प्रदान किया गया है।
2. स्थानीय सरकार के लिये केवल निष्पादन अनुदान (परफॉरमेंस ग्रांट) को ही परिकल्पित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (d)

व्याख्या: श्री वाई.वी. रेड्डी की अध्यक्षता में गठित चौदहवें वित्त आयोग की रिपोर्ट को 24 फरवरी, 2015 को संसद में पेश की गई थी। यह 2015-20 की अवधि के लिये लागू है।

स्थानीय सरकारों को अनुदान:

- 2015-20 के लिये स्थानीय सरकारों के लिये कुल अनुदान `2,87,436 करोड़ निर्धारित किया गया है, जिनमें से `2,00,292 करोड़ पंचायतों को और `87,144 करोड़ नगरपालिकाओं को देने की सिफारिश की गई है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- स्थानीय सरकारों को अनुदान दो भागों में होना चाहिये- पहला, **मूल अनुदान** और दूसरा, **निष्पादन अनुदान**। ग्राम पंचायतों के लिये 90 प्रतिशत हिस्सा मूल अनुदान होगा और 10 प्रतिशत निष्पादन अनुदान होगा। नगरपालिकाओं के लिये कुल अनुदान का मूल अनुदान व निष्पादन अनुदान क्रमश: 80 प्रतिशत और 20 प्रतिशत होगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- निष्पादन अनुदान को निम्नवत् उद्देश्यों के साथ पेश किया जाना प्रस्तावित है:

- (i) राज्यों की प्राप्तियों और व्यय खातों के रख-रखाव को प्रोत्साहित करना, और
- (ii) राज्य के स्वयं के राजस्व में वृद्धि लाना।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा अंतर्राष्ट्रीय संगठन 'विश्व व्यापार सांख्यिकीय समीक्षा' प्रकाशित करता है?

a. विश्व व्यापार संगठन
b. व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
c. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
d. यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ

उत्तर (a)

व्याख्या: विश्व व्यापार संगठन व्यापार से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर प्रकाशनों की एक विस्तृत श्रृंखला जारी करता है। विश्व व्यापार सांख्यिकीय समीक्षा विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रकाशित की जाती है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

37. भारत में आर्थिक योजना के संदर्भ में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़े स्तर पर सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना का उद्देश्य सार्वजनिक वस्तुओं की आपूर्ति करना था।
2. भारत में सार्वजनिक उपक्रमों की विफलता के संभावित कारणों में से एक सार्वजनिक उपक्रमों में श्रम बल की अत्यधिक आपूर्ति थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: स्वतंत्रता के बाद, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को सरकार द्वारा 'ट्रिकल-डाउन प्रभाव' के केंद्रबिंदु के रूप में माना जाता था।

- उन्हें 'सामाजिक वस्तुओं', या जिन्हें सार्वजनिक माल कहा जाता है, उनकी आपूर्ति में उपयोग किया जाना था। सामाजिक वस्तुओं से सरकार का अर्थ नागरिकों को कुछ वस्तुओं और सेवाओं की सार्वभौमिक आपूर्ति करना था। भारत सरकार द्वारा इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, पेयजल, सामाजिक सुरक्षा आदि शामिल किये गए हैं। इसका अर्थ है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की कल्पना सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिये राजस्व सृजनकर्त्ता के रूप में भी की गई थी। **अत: कथन 1 सही है।**
- सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के माध्यम से हर घर में नौकरी उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी। हालाँकि, यह देश में भविष्य के श्रम बल के आयामों और इतने उच्च स्तर पर रोज़गार सृजन के लिये आवश्यक संसाधनों की गणना किये बिना किया गया था।
- लेकिन सरकार राजकोषीय नतीजों का विश्लेषण किये बिना नए सार्वजनिक उपक्रमों को समान विकास का वास्तविक इंजन मानते हुए उनका निर्माण करती चली गई।
- सार्वजनिक उपक्रमों के रोज़गार सृजन की ज़िम्मेदारी सरकार द्वारा इस हद तक बढ़ा दी गई थी कि उनमें से अधिकांश के पास श्रम बल की आवश्यकता से अधिक आपूर्ति थी, जिससे वेतन, पेंशन और भविष्य निधि के लाभ को कम करना शुरू कर दिया

गया (बाद के दो घटकों का आगे चलकर वित्तीय प्रभाव पड़ा)। **अत: कथन 2 सही है।**

38. बॉम्बे प्लान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. कृषि क्षेत्र के पुनर्गठन के लिये मध्यवर्ती संस्थाओं के उन्मूलन की परिकल्पना की गई थी।
    2. इसने आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं के उद्योगों के विकास का समर्थन किया।
    3. इसने अर्थव्यवस्था में राज्य द्वारा एक सक्रिय भूमिका निभाए जाने का समर्थन किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर (d)

व्याख्या: बॉम्बे प्लान, भारत के आर्थिक विकास का एक लोकप्रिय शीर्षक था, जिसे 1944-45 में भारत के प्रमुख पूंजीपतियों के प्रतिनिधि समूह द्वारा तैयार किया गया था।

- इस योजना में आठ पूंजीपति शामिल थे, पुरुषोत्तमदास टेकुरदास, जे.आर.डी. टाटा, जी.डी. बिरला, लाला श्री राम, कस्तूरभाई लालभाई, ए.डी. श्रॉफ, अवधेश दलाल और जॉन मथाई।
- इसने कृषि पुनर्गठन के मुद्दे पर एक बुनियादी समझौता किया - सभी मध्यस्थों का उन्मूलन (यानी, ज़मींदारी उन्मूलन), न्यूनतम मजदूरी, कृषि उत्पादों के लिये न्यूनतम या उचित मूल्य की गारंटी, सहकारी समितियों, ऋण और विपणन समर्थन, आदि थे। **अत: कथन 1 सही है।**
- सोवियत योजना का हवाला लेते हुए बॉम्बे प्लान, आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं के उद्योगों के एक साथ विकास के पक्ष में था। **अत: कथन 2 सही है।**
- इस योजना का उद्देश्य था कि राज्य, अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की योजना, नियंत्रण और निगरानी के माध्यम से अर्थव्यवस्था में एक सक्रिय भूमिका निभाए अर्थात् व्यापार, उद्योग और बैंकिंग, राज्य के स्वामित्व (सार्वजनिक क्षेत्र) के माध्यम से या उनपर प्रत्यक्ष और व्यापक नियंत्रण द्वारा। **अत: कथन 3 सही है।**

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. वाणिज्यिक बैंक मुख्य रूप से जमा स्वीकार करने तथा जनसामान्य, व्यवसायों और सरकार को ऋण देने का कार्य करते हैं।
    2. कोई भी बैंक जो भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में सूचीबद्ध है, को अनुसूचित बैंक माना जाता है।
    3. सहकारी बैंक केवल गैर-शहरी क्षेत्रों में कार्य करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर (a)

व्याख्या: वाणिज्यिक बैंक:

- वाणिज्यिक बैंक, अनुसूचित और गैर-अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों दोनों को संदर्भित करते हैं जो बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत विनियमित होते हैं।
- वे मुख्य रूप से जमा की स्वीकृति में संलग्न हैं और आम जनता, व्यवसायों

एवं सरकार को ऋण देते हैं। **अत: कथन 1 सही है।**

अनुसूचित बैंक:

- परिभाषा के अनुसार जो कोई भी बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की दूसरी अनुसूची में सूचीबद्ध है, को अनुसूचित बैंक माना जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**

सहकारी बैंक:

- सहकारी बैंक शहरी और गैर-शहरी दोनों क्षेत्रों में काम करते हैं। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1912 के तहत पंजीकृत सभी बैंकों को सहकारी बैंक माना जाता है।

40. अंबेडकर हस्तशिल्प विकास योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह योजना मुख्य रूप से शिल्पकारों की आत्मनिर्भरता के लिये व्यावसायिक उद्यमों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वंय सहायता समूह समुदाय में शिल्पकारों को संगठित करने हेतु लक्षित है।
2. इस योजना के अंतर्गत विपणन सुविधाएँ प्रदान करने के लिये हस्तकला सहयोग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।
3. यह योजना राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, दोनों में लागू की गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर (d)

व्याख्या: सरकार ने वर्ष 2001-2002 में **अंबेडकर हस्तशिल्प विकास योजना** (ए.एच.वी.वाई.) शुरू की जिसका उद्देश्य कारीगरों/हस्तशिल्पों को स्वयं सहायता समूह के निर्माण हेतु प्रशिक्षित करना तथा ऋण उपलब्ध कराना था। यह योजना कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगी तथा स्वयं सहायता समूह की सहायता से उनके सामुदायिक व्यवसाय उद्यमों को चलाने हेतु प्रशिक्षित करेगी। **अत: कथन 1 सही है।**

योजना की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

- सर्वेक्षण की आधार-रेखा तथा कारीगरों की भर्ती
- डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी उन्नयन
- मानव संसाधन विकास
- कारीगरों को सीधा लाभ
- आधारभूत संरचना तथा प्रौद्योगिक आधार
- अनुसंधान एवं विकास
- विपणन सहायता तथा सेवाएँ

सरकार हस्तकला सहयोग शिविरों के दौरान कारीगरों के कल्याण के लिये प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा आम आदमी बीमा योजना के तहत आधार कार्ड से लिंक किये गए पहचान कार्ड, **विपणन की सुविधा,** मुद्रा ऋण के माध्यम से कारीगरों को सुविधा प्रदान करने और कारीगरों के नामांकन के लिये देश भर में हस्तकला सहयोग शिविरों का आयोजन करती है। **अत: कथन 2 सही है।**

यह योजना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की गई है। **अत: कथन 3 सही है।**

41. लघु चित्रों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. चित्र का विषय वास्तविक आकार के 1/6 से अधिक भाग पर नहीं चित्रित किया जाना चाहिये।
2. महिला आकृतियों के लंबे बाल हैं तथा उनकी आँखों और बालों का रंग सामान्यत: काला है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही **नहीं** है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: भारतीय उपमहाद्वीप में लघु चित्रों की लंबी परंपरा रही है और ऐसी कई शैलियाँ भी विकसित हुई हैं जिनकी रचना और परिप्रेक्ष्य में अंतर है। लघु चित्र छोटे और विस्तृत विवरण देने वाले होते हैं।

- कई पूर्व शर्तें हैं जिन्हें लघु चित्रों को बनाने के लिये पूरी करना आवश्यक है।
- चित्र 25 वर्ग इंच से बड़े नहीं होने चाहिये।

चित्र का विषय वास्तविक आकार के 1/6 वें से अधिक नहीं चित्रित किया जाना चाहिये। **अत: कथन 1 सही है।**

अधिकांश भारतीय लघु चित्रों में मानव आकृति को एक पृष्ठीय रूपरेखा के साथ दर्शाया जाता है। आमतौर पर इनमें उभरी हुई आँखें, नुकीली नाक और पतली कमर चित्रित होती हैं। राजस्थानी लघु चित्रों में पात्रों की त्वचा का रंग भूरा है, जबकि मुगल चित्रों में वे आमतौर पर गोरे हैं। इसके अलावा भगवान कृष्ण जैसे दिव्य प्राणियों का रंग नीला है। महिला आकृतियों के लंबे बाल हैं तथा उनकी आँखों और बालों का रंग आमतौर पर काला है। पुरुष आमतौर पर पारंपरिक कपड़े पहने हुए हैं और उनके सिर पर पगड़ी है। **अत: कथन 2 सही है।**

42. तंजौर चित्रकला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह चित्रकला महीन रेशम और सूती कपड़े पर बनाई गई है।
2. मराठा शासकों ने कला के इस रूप को संरक्षण प्रदान किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (b)

व्याख्या: तंजावुर या तंजौर शैली विशिष्ट प्रकार की आलंकारिक चित्रकलाओं के लिये प्रसिद्ध है। 18वीं शताब्दी में मराठा शासकों ने उनका संरक्षण किया। **अत: कथन 2 सही है।**

- यह चित्रकला इस विषय में अद्वितीय हैं कि उत्तर भारत में मुख्य रूप से वस्त्र और चर्मपत्र का उपयोग होता है जबकि इन्हें अधिकतर काँच और काष्ठ पटल पर बनाया गया है। उत्कृष्ट रंग पैटर्न और स्वर्ण-पत्र के उदारतापूर्वक प्रयोग के कारण ये अद्वितीय हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- उन्होंने चिरकालिक प्रभाव उत्पन्न करने के लिये अलंकरणों हेतु कई प्रकार के रत्नों और तराशे हुए काँचों का प्रयोग किया है। अधिकतर चित्रकलाओं में मुस्कुराते हुए कृष्ण को विभिन्न मुद्राओं और उनके जीवन की प्रमुख घटनाओं में चित्रित किया गया है।

43. निम्नलिखित में से कौन तमाशा चित्रकला से संबंधित है?

a. मेवाड़ शैली
b. किशनगढ़ शैली
c. बूँदी शैली
d. आमेर-जयपुर शैली

उत्तर (a)

व्याख्या: मेवाड़ शासकों ने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कला का संरक्षण किया, हालाँकि अपेक्षाकृत शांति और समृद्धि के वर्षों में असाधारण प्रस्फुटन दिखाई दिया। यदि प्रारंभिक मेवाड़ चित्रकला पर दृष्टि डाली जाए, तो प्रतीत होता है कि इस पर साहिबदीन की असाधारण

आकृति का प्रभुत्व था। इस अवधि की मेवाड़ चित्रकला रसिकप्रिया, रामायण और भागवत पुराण साहित्यिक ग्रंथों के साहिबदीन के चित्रण पर केंद्रित थी। साहिबदीन की मृत्यु के बाद मेवाड़ी चित्रकला की शैली परिवर्तित हो गई। अधिकांश चित्रों में मेवाड़ के दरबारी जीवन का चित्रण किया गया। इस अवधि का अद्वितीय बिंदु असाधारण 'तमाशा' चित्रकला है जिसमें अभूतपूर्व विस्तार के साथ दरबार की औपचारिकताओं और नगर के दृश्यों को दर्शाया गया है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

- **किशनगढ़ में चित्रकला** सावंत सिंह और उनकी प्रेमिका बनी ठनी की सबसे रोमांटिक किंवदंती तथा जीवन व मिथकों, रोमांस और भक्ति के अंर्तसंबंध से जुड़ी है। कभी-कभी यह कहा जाता है कि 'बनी ठनी' नामक महिला राधा के चरित्र से मिलती-जुलती है। उनकी विशिष्ट रूपरेखा और विशाल चमकदार आँखें, पतले होंठ और नुकीली ठोड़ी है। उनकी ओढ़नी या टोपी उनके अगल-बगल की रूपरेखा को परिभाषित करती है। यह किशनगढ़ शैली से जुड़ी एक अनूठी चित्रकला बन गई।
- **बूँदी शैली में** स्थानीय वनस्पतियों के चित्र विस्तृत हैं। चित्रों में मानव चेहरे गोल एवं नुकीली नाक वाले होते हैं। आकाश का रंग विभिन्न रंगों में रंगा गया है और ज़्यादातर आकाश में एक लाल रिबन दिखाई देता है। इस शैली की एक अन्य विशेषता कृष्ण भक्ति है।
- **आमेर-जयपुर शैली** को 'ढूंडर शैली' भी कहा जाता है। उनके शुरुआती प्रमाण राजस्थान के बैराट में भित्ति चित्रों से मिलते हैं। कुछ चित्रों को राजस्थान में आमेर महल की दीवारों और समाधियों में भी देखा जा सकता है। भले ही कुछ पुरुषों को मुगल शैली के कपड़े और टोपी पहने हुए दर्शाया गया है, लेकिन चित्रों का समग्र सार लोक-शैली का है।

44. निम्नलिखित में से कौन-सी लघु चित्रकला जहाँगीर के समय की एक प्रसिद्ध रचना थी?

a. अनवर-ए-सुहैली
b. अयार-ए-दानिश
c. हम्ज़ानामा
d. गुलिस्ताँ-ए-सदी

उत्तर (b)

व्याख्या: जहाँगीर के काल में मुगल चित्रकला अपने चरम पर पहुँच गई थी। वह स्वभाव से प्रकृतिवादी था और वनस्पतियों व जीवों के चित्रों को प्राथमिकता देता था। उसने छविचित्र में प्रकृतिवाद लाने पर ज़ोर दिया। इस अवधि में विकसित एक अनोखी प्रवृत्ति चित्रों के चारों ओर अलंकृत किनारों/बार्डर की थी, जो कभी-कभी इतने व्यापक होते थे जितना कि स्वयं चित्र।

- उस्ताद मंसूर अपने समय के सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक थे, जो सबसे जटिल चेहरों की आकृतियों को चित्रित करने में विशेषज्ञ थे। अयार-ए-दानिश नामक एक पशु पक्षी का चित्रण जहाँगीर के शासनकाल में ही किया गया था। **अत: विकल्प (b) सही है।**
- अकबर को चित्रकला और अपने दस्तावेजों के सुलेखन के लिये समर्पित का श्रेय एक संपूर्ण विभाग की स्थापना का श्रेय दिया जाता है। उसके काल में मुगल चित्रकला में 'भारतीय प्रभाव' की शुरुआत हुई। अकबर के काल की चित्रकला की स्पष्ट विशेषताएँ त्रिआयामी आकृतियों का प्रयोग और अग्रदृश्यांकन का निरंतर उपयोग है। इस अवधि की एक विशिष्ट विशेषता लोकप्रिय कला का दरबारी कला में परिवर्तन था अर्थात् कलाकार आम जनता के जीवन की

अपेक्षा दरबारी जीवन के दृश्यों का चित्रण करने पर अधिक केंद्रित थे।

- इस काल के प्रसिद्ध चित्रकारों में दसवंत, बासवन और केशु शामिल हैं। अकबर के शासनकाल के दौरान प्रख्यात पांडुलिपियों में तूतिनामा, हमज़ानामा, अनवर-ए-सुहेली और गुलिस्तान-ए-सादी शामिल हैं।
- **अनवर-ए-सुहेली-** अंतर्संबधित पौराणिक कथाओं का संग्रह।
- **हम्ज़ानामा-** मुहम्मद के चाचा अमीर हम्ज़ा वीरतापूर्ण कथाओं का वर्णन।
- **गुलिस्ताँ-ए-सदी-** फारसी भाषा की साहित्यिक रचना

45. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

1. त्रिभंग मुद्रा
2. जटिल ज्यामितीय आकृतियों का निर्माण
3. जुगलबंदी की प्रस्तुति

उपर्युक्त में से कौन-सी ओडिसी नृत्य की प्रमुख विशेषताएँ हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर (a)

व्याख्या: ओडिसी नृत्य पुरातात्त्विक साक्ष्यों के आधार पर सबसे पुराना शास्त्रीय नृत्य है, इस नृत्य का जन्म मंदिर में नृत्य करने वाली देवदासियों के नृत्य से हुआ। इस नृत्य की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

- त्रिभंग मुद्रा।
- नर्तकियों द्वारा अपने शरीर से जटिल ज्यामितीय आकृतियों का निर्माण।
- गाँवों की अभिव्यक्ति करने वाली मुद्राओं तथा विन्यासों का प्रयोग।
- जबकि जुगलबंदी कथक नृत्य की प्रमुख विशेषता है जिसमें तबला वादक तथा नर्तक के बीच प्रतिस्पर्द्धात्मक खेल होता है। **अत: विकल्प (c) सही है।**

46. प्राचीन भारत के इतिहास के निर्माण में शिलालेखों का बहुत महत्त्व है क्योंकि वे किसी स्थान विशेष के अतीत के कई पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं। खुदाई से प्राप्त निम्नलिखित में से किन सामग्रियों पर प्राचीन भारत के अभिलेख पाए गए हैं?

1. शिला स्तंभ
2. मंदिर की दीवारें
3. प्रतिमाएँ
4. चित्रित धूसर मृदभांड
5. चट्टानें

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 3
b. केवल 1, 2, 3 और 4
c. केवल 1, 2, 3 और 5
d. 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर (c)

व्याख्या: सिक्कों की तुलना में शिलालेख उस समय अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं, जब मानव के अतीत को परिभाषित करने की जटिलताओं का सुलझाने के लिये उनका उपयोग करने की बात आती है।

- उल्लेखनीय है कि पूरे देश में प्रारंभिक अभिलेख पत्थरों पर ही पाए गए है। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ा, लोगों ने अभिलेख बनाने के लिये कई अन्य तरह की सामग्रियों का भी उपयोग करना शुरू कर दिया।
- प्राचीन भारत में अभिलेखों को मुहरों, पत्थर के खंभों, चट्टानों, तांबे की प्लेटों, मंदिर की दीवारों और ईंटों या चित्रों पर उत्कीर्ण गया था। **अत: विकल्प (c) सही है।**

- सबसे प्राचीन शिलालेख प्राकृत भाषा में लिखे गए थे।
- नौवीं और दसवीं शताब्दी में क्षेत्रीय भाषाओं में शिलालेखों का प्रचलन आरंभ हुआ।
- चित्रित धूसर मृद्भांडों पर किसी अभिलेख का उल्लेख नहीं मिलता है।

47. पुरापाषाण काल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भारत में पुरापाषाण काल का विकास अभिनव प्लेस्टोसीन काल से जुड़ा हुआ है।
    2. जानवरों को पालतू बनाना उत्तर पुरापाषाण काल की विशेषता नहीं है।
    3. उत्तर पुरापाषाण काल की जलवायु मुख्य रूप से बहुत ठंडी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर (a)

व्याख्या: भारत में प्लेस्टोसीन काल या हिमयुग में पुरातन युग या पुरापाषाण संस्कृति का विकास हुआ। **अत: कथन 1 सही है।**

- उत्तर प्रदेश की बेलन घाटी में पाए जाने वाले जानवरों के अवशेषों से पता चलता है कि जानवरों के पालतू बनाने की प्रक्रिया प्रचलन में थी। हालाँकि प्रारंभिक पुरापाषाण युग में लोग मुख्य रूप से शिकारी और संग्रहकर्त्ता थे। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- पुरापाषाण काल को तीन चरणों में बाँटा गया है: आरंभिक या निम्न, मध्य और उत्तर पुरापाषाण युग।
- आरंभिक पुरापाषाण युग के दौरान जलवायु की स्थिति मुख्य रूप से हिमयुग की थी लेकिन उत्तर पुरापाषाण युग में, जलवायु पहले के दो चरणों की तुलना में गर्म हो गई थी। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- पुरापाषाण काल के ऐतिहासिक स्थल:
    - **आरंभिक पुरापाषाण युग:** पंजाब में सोहन/सोन नदी की घाटी, उत्तर प्रदेश में मिर्ज़ापुर की बेलन घाटी।
    - **मध्य पुरापाषाण युग:** सोन घाटी, नर्मदा नदी के आस-पास के स्थानों पर, तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में।
    - **उत्तर पुरापाषाण युग:** आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, भोपाल, छोटा नागपुर पठार, भीमबेटका, गुजरात में रेत के टीले।

48. ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृति में प्रचलित सामाजिक स्थिति बड़े परिवारों के उद्भव की पक्षधर थी।
    2. आमतौर पर कब्रों में मृतकों के साथ तांबे की वस्तुएँ रखी जाती थीं क्योंकि ताम्रपाषाणयुग के लोग मृत्यु के बाद की दुनिया में विश्वास करते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर (c)

व्याख्या: ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृति के बारे में जानकारी पहाड़ियों के पास खुदाई से प्राप्त हुई है, साथ ही नदी तटों के आस-पास की खुदाई में भी कई ताम्रपाषाणयुगीन स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

- ताम्रपाषाणयुगीन संस्कृति के बाद के चरण में, पाँच कमरे वाले घर भी पाए गए हैं। इससे पता चलता है कि ताम्रपाषाणयुगीन काल में बड़े परिवार अस्तित्व में थे। **अत: कथन 1 सही है।**
- इस चरण में बस्तियाँ स्थिर और व्यापक हो गईं थीं।
- ताम्रपाषाणयुगीन चरण के लोग मृतकों के साथ बर्तन और तांबे की वस्तुएँ रखते थे क्योंकि वे मानते थे कि अगली दुनिया में मृत व्यक्ति इन चीजों का उपयोग करेगा। **अत: कथन 2 सही है।**
- ताम्रपाषाणयुग लोग मातृ देवी की पूजा करते थे। कुछ अपरिपक्व तथा नग्न मिट्टी की मूर्तियों का उपयोग भी पूजा के लिये किया जाता था।
- इस चरण में सामाजिक विषमताओं की शुरुआत भी हुई।
- ताम्रपाषाणयुगीन चरण के लोग तांबे के औजारों के सीमित उपयोग के साथ लघु प्रस्तरों (माइक्रोलिथ) और अन्य पत्थर के औजारों का इस्तेमाल भी किया करते थे।

49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में की गई खुदाई से कोई भी नवपाषाणकालीन औज़ार प्राप्त नहीं हुआ है।
    2. आंध्र प्रदेश में नवपाषाणकालीन संस्कृति के स्थलों की खुदाई से ज्ञात होता है कि लोग पशुपालक थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: असम की पहाड़ियों से नवपाषाणकालीन औजारों को प्राप्त किया गया हैं। भारत के उत्तर-पूर्वी सीमा पर मेघालय की गारो पहाड़ियों में भी नवपाषाणकालीन औजार मिले हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- इसके अलावा विंध्य के उत्तरी इलाकों में उत्तर प्रदेश के मिर्ज़ापुर और इलाहाबाद ज़िलों में कई नवपाषाणकालीन बस्तियाँ पाई गईं हैं।
- कुछ महत्त्वपूर्ण नवपाषाणकालीन स्थल या ऐसे स्थल जो नवपाषाणकालीन परतों के साथ मिले हैं उनमें कर्नाटक में मास्की, ब्रह्मगिरि, हल्लूर, कोडेकल, संगणकल्लू, टी. नरसीपुर और तक्कलाकोटा, और तमिलनाडु में पबयमपल्ली शामिल हैं।
- पिकलिहल और उत्नूर आंध्र प्रदेश में महत्त्वपूर्ण नवपाषाण स्थल हैं। पिकलिहल में नवपाषाणकालीन निवासी पशुपालक थे। **अत: कथन 2 सही है।**

50. कीलिंग वक्र द्योतक है:

a. पृथ्वी के वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड के संचय का।
b. आर्थिक विकास और पर्यावरण पर इसके प्रभाव का।
c. वितरण की असमानता का।
d. कर की दरों और कर राजस्व की राशि का।

उत्तर (a)

व्याख्या: कीलिंग वक्र, वर्ष 1958 से हवाई में स्थित मौना लोआ वेधशाला में मौसमी और वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की सांद्रता में वार्षिक परिवर्तन को दर्शाता एक रेखाचित्र हैं।

- **पर्यावरणीय कुज़्नेत्स वक्र** का प्रयोग इस विचार को रेखांकित करने के लिये किया जाता है कि जैसे ही अर्थव्यवस्था विकसित होती है, बाज़ार शक्ति बढ़ने लगती है और आर्थिक असमानता कम हो जाती है। विशिष्ट रूप में जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ती है, शुरू में पर्यावरण को हानि होती है, लेकिन अंतत:

पर्यावरण और समाज के बीच संबंध सुधरने लगता है।

- **लोरेंज वक्र** वर्ष 1905 में अमेरिकी अर्थशास्त्री मैक्स लोरेन्ज द्वारा विकसित वक्र है जो आय असमानता या सम्पत्ति असमानता को लेखाचित्र पर दर्शाता है।
- **लाफर वक्र** एक सिद्धांत है जो पूर्ति-पक्ष के अर्थशास्त्री आर्थर लाफर द्वारा टैक्स दरों और सरकारों द्वारा एकत्रित कर राजस्व की राशि के बीच संबंध को दर्शाने के लिये विकसित किया गया है।

51. "युक्ति 2.0 पोर्टल" के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक पोर्टल है।
    2. यह शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: केंद्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने उच्च शिक्षण संस्थानों में व्यावसायिक क्षमता एवं इनक्यूबेटेड स्टार्टअप से संबंधित सूचनाओं को व्यवस्थित करने में सहायता प्रदान करने के लिये युक्ति 2.0 (YUKTI 2.0) पहल की शुरुआत की है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- युक्ति 2.0, युक्ति (YUKTI) यानी 'Young India combating Covid-19 with Knowledge, Technology and Innovation' (युवा भारत ज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के साथ COVID-19 का मुकाबला करें) का विस्तार है।
- युक्ति 2.0 पोर्टल के माध्यम से मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों, शिक्षकों एवं शोधकर्त्ताओं को अपनी प्रौद्योगिकियों एवं नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिये आवश्यक ज़रूरतों को पूरा करने के लिये उचित सहायता मिल रही है या नहीं।
- आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप युक्ति 2.0 शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देता है। **अतः कथन 2 सही है।**

52. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

	नव वर्ष उत्सव	**क्षेत्र**
1.	नवरेह	महाराष्ट्र
2.	लोसूंग	लद्दाख
3.	अषाढ़ी बीज	कच्छ

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: नवरेह कश्मीर में मनाया जाने वाला चंद्र नव वर्ष है। यह नाम संस्कृत भाषा के 'नववर्ष' से लिया गया है। यह चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन मनाया जाता है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**

- लोसूंग को नामसूंग के नाम से भी जाना जाता है जो सिक्किम का नव वर्ष उत्सव है। यह आमतौर पर वह समय होता है जब किसान अपनी फसल के लिये खुशी और जश्न मनाते हैं।
- पारंपरिक रूप से यह उत्सव अधिकांशतः दिसंबर माह में मनाया जाता है और लेपचा और भूटिया दोनों

जनजातियों द्वारा मनाया जाता है। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**

- हिंदू कैलेंडर के अनुसार, 'अषाढ़ी बीज' को आषाढ़ मास में शुक्ल पक्ष के दूसरे दिन मनाया जाता है। यह हिंदू नव वर्ष गुजरात के कच्छ क्षेत्र में कच्छी समुदाय द्वारा मनाया जाता है। आषाढ़ी बीज एक परंपरागत 'वर्षा आगमन का उत्सव' है। आषाढ़ी बीज के दौरान स्थानीय किसान यह अनुमान लगाते हैं कि वातावरण में नमी का स्तर कितना है जिसके आधार पर वे सबसे अनुकूल फसल की बुवाई कर सकें। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित है।**

53. भारत में एंटी डंपिंग शुल्क लगाने का अधिकार निम्नलिखित में से किसके पास है?

a. वाणिज्यिक खुफिया महानिदेशालय
b. व्यापार उपचार महानिदेशालय
c. आबकारी विभाग
d. भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग

उत्तर: (b)

व्याख्या: हाल ही में भारत ने चीन, वियतनाम और कोरिया से कुछ प्रकार के विशिष्ट इस्पात उत्पादों के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क (Anti-Dumping Duty) लगाने की घोषणा की है।

- यह एंटी-डंपिंग शुल्क तब लगाया गया है जब वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जाँच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR) ने अपनी जाँच में यह पाया कि उक्त देशों (चीन, वियतनाम और कोरिया) द्वारा भारत में अपने उत्पादों का निर्यात सामान्य से भी से कम मूल्य पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योगों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा।
- भारत सरकार ने वर्ष 2018 में 'डंपिंग रोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय' (DGAD) के स्थान पर 'व्यापार उपाय महानिदेशालय' (DGTR) का सृजन किया था। DGTR का सृजन देश में एक व्यापक एवं त्वरित व्यापार सुरक्षा व्यवस्था के निर्माण के उद्देश्य से किया गया था। **अतः विकल्प (b) सही है।**

54. भारत में दल-बदल विरोधी कानून के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. राजनीतिक दल-बदल के दोषियों से निपटने के लिये 52वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से भारतीय संविधान में 12वीं अनुसूची को शामिल किया गया था।
2. दल-बदल के कारण अयोग्यता संबंधी कोई भी प्रश्न भारत के चुनाव आयोग की सलाह पर सदन के पीठासीन अधिकारी द्वारा तय किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: राजनीतिक दल-बदल के दोषियों से निपटने के लिये 52वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से भारतीय संविधान में 10वीं अनुसूची को शामिल किया गया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- दल-बदल के कारण अयोग्यता संबंधी कोई भी प्रश्न केवल सदन के पीठासीन अधिकारी द्वारा ही तय किया जाना चाहिये। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- हालाँकि वर्ष 1993 के किहोतो होलोहन बनाम ज़ाचिल्हू वाद में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय देते हुए कहा था कि विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय अंतिम नहीं होगा। विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय दुर्भावना, दुराग्रह, संवैधानिक जनादेश और प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध पाए जाने

की स्थिति में न्यायिक पुनरावलोकन किया जा सकता है।

55. गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद को सुविधाजनक बनाने के लिये एक सार्वजनिक राष्ट्रीय खरीद पोर्टल है।
    2. यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या: गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस विभिन्न केंद्र और राज्य सरकार के विभागों/संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU) द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद को सुविधाजनक बनाने के लिये वन स्टॉप सार्वजनिक राष्ट्रीय खरीद पोर्टल है। **अतः कथन 1 सही है।**

- गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस एक ऑनलाइन मार्केट प्लेटफॉर्म है जिसकी शुरुआत वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत वर्ष 2016 में की गई थी। इस प्लेटफॉर्म पर सामान्य वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की जा सकती है। **अतः कथन 2 सही है।**

56. कोकोलिथोफोरस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ये एकल-कोशिकीय शैवाल हैं जो महासागरों की निचली परतों में पाए जाते हैं।
    2. ये प्रकाश संश्लेषण के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का सेवन कर वातावरण और महासागर से इसे हटाने में मदद करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: 'राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र' (NCPOR) ने प्राचीन सूक्ष्म समुद्री शैवाल 'कोकोलिथोफोरस' (Coccolithophores) का अध्ययन कर यह निष्कर्ष निकाला है कि दक्षिणी हिंद महासागर में कैल्शियम कार्बोनेट ($CaCO_3$) की सांद्रता में कमी आई है।

- कोकोलिथोफोरस विश्व के महासागरों की ऊपरी परतों में निवास करने वाला एकल-कोशिकीय शैवाल है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- ये समुद्री फाइटोप्लैंकटन को चूने में परिवर्तित करते हैं जो खुले महासागरों में 40% तक कैल्शियम कार्बोनेट का उत्पादन करते हैं और वैश्विक निवल समुद्री प्राथमिक उत्पादकता के 20% के लिये ज़िम्मेदार हैं।
- ये अलग-अलग चाक एवं सी-शेल वाली कैल्शियम कार्बोनेट की प्लेटों से एक्सोस्कल्टन (Exoskeleton) बनाते हैं।
    - हालाँकि इन प्लेटों के निर्माण के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन होता है किंतु कोकोलिथोफोरस प्रकाश संश्लेषण के दौरान इसका अवशोषण करके वातावरण एवं महासागर से इसे हटाने में मदद करते हैं। अतः कथन 2 सही है।

57. कालाज़ार रोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह लीशमैनिया नामक एक परजीवी के कारण होता है जो बालू मक्खियों के माध्यम से फैलता है।
2. हाल ही में भारत को आधिकारिक तौर पर कालाज़ार मुक्त घोषित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: लीशमैनियासिस एक उपेक्षित उष्णकटिबंधीय बीमारी है। मानव शरीर में आंत की लीशमैनियासिस को आमतौर पर भारत में कालाज़ार (Kala-azar) के रूप में जाना जाता है।

- यह लीशमैनिया (Leishmania) नामक एक परजीवी के कारण होता है जो बालू मक्खियों (Sand Flies) के काटने से फैलता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भारत को अभी तक कालाज़ार से मुक्त नहीं हुआ है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- वर्ष 2014 में, सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के समर्थन से कालाज़ार उन्मूलन कार्यक्रम शुरू किया, लेकिन यह कार्यक्रम वर्ष 2017 तक कालाजार उन्मूलन के लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहा।
- यह रोग भारत के चार राज्यों- बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में प्रमुखता से पाया जाता है।

58. 'नेविगेटिंग द न्यू नॉर्मल' अभियान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसे नीति आयोग द्वारा लॉन्च किया गया था।
    2. यह अभियान कोविड-सुरक्षित व्यवहार मानदंडों पर ध्यान केंद्रित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: नीति आयोग ने बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन, अशोक यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर सोशल एंड बिहैवियरल चेंज, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ भागीदारी में 'नेविगेटिंग द न्यू नॉर्मल' (Navigating The New Normal) नामक अभियान की शुरुआत की है। **अतः कथन 1 सही है।**

- यह अभियान COVID-19 महामारी के मद्देनज़र देश में 'अनलॉक चरण' के दौरान COVID- सुरक्षित व्यवहारों पर ध्यान केंद्रित करता है। **अतः कथन 2 सही है।**

59. भारत में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय है।
    2. इसने एक केंद्रीकृत वन्यजीव अपराध डेटा बैंक की स्थापना की।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: हाल ही में वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF) ने अवैध वन्यजीव व्यापार (IWT) पर

पहली वैश्विक रिपोर्ट "मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध वन्यजीव व्यापार" जारी की।

- रिपोर्ट IWT को एक "वैश्विक खतरा" बताया गया है, जिसका संबंध आधुनिक दासता, मादक पदार्थों की तस्करी और हथियारों के व्यापार जैसे अन्य संगठित अपराधों के साथ भी है।
- भारत में, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (WCCB) वन्यजीव अपराधों को नियंत्रित करता है।
- देश में वन्यजीव अपराध से निपटने के लिये यह भारत सरकार द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत संगठित स्थापित एक वैधानिक बहु-विषयक निकाय है। **अतः कथन 1 सही है।**
- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत इस ब्यूरो को अधिदेशित किया गया है:
- संगठित वन्यजीव अपराध गतिविधियों से संबंधित खुफिया जानकारी एकत्रित कर उनकी तुलना करना तथा अपराधियों को पकड़ने और कार्रवाई के लिये राज्य और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों को ये सूचनाएँ प्रसारित करने के लिये।
- एक केंद्रीकृत वन्यजीव अपराध डेटा बैंक की स्थापना करने के लिये। **अतः कथन 2 सही है।**
- वन्यजीव अपराध नियंत्रण के लिये समन्वय और सार्वभौमिक कार्रवाई को सुविधाजनक बनाने हेतु संबंधित विदेशी अधिकारियों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की सहायता करने के लिये।

60. ओज़ोन के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ओज़ोन समताप मंडल और क्षोभमंडल दोनों में पाई जाती है।
    2. सतही स्तर पर ओज़ोन प्रत्यक्ष रूप से प्राकृतिक स्रोतों द्वारा उत्सर्जित होता है।
    3. सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति सतही स्तर पर ओज़ोन के गठन पर प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: ओज़ोन गैस पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल और सतही स्तर दोनों पर पाई जाती है। ऊपरी वायुमंडल में यह समतापमंडल (Stratosphere) में तथा सतही स्तर पर क्षोभमंडल (Troposphere) में पाई जाती है। ओज़ोन अच्छी या बुरी दोनों प्रकार की हो सकती है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि यह कहाँ पाई जाती है। **अतः कथन 1 सही है।**

- ओज़ोन प्रत्यक्ष रूप से किसी स्रोत से उत्पन्न नहीं होती बल्कि यह सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में NOx (नाइट्रोजन ऑक्साइड), CO (कार्बन मोनोऑक्साइड) की रासायनिक अभिक्रियाओं के कारण उत्पन्न होती है।
- पृथ्वी के निचले वायुमंडल (क्षोभमंडल) में सतही स्तर पर, ओज़ोन तब बनता है जब कार, बिजली संयंत्र, औद्योगिक बॉयलर, रिफाइनरियों, रासायनिक संयंत्रों और अन्य स्रोतों से उत्सर्जित प्रदूषक सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में रासायनिक प्रतिक्रिया करते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- सतही स्तर पर पाई जानी वाली ओज़ोन एक हानिकारक वायु प्रदूषक है। भारत में ओज़ोन मुख्य रूप से एक "अच्छी धूप वाले मौसम की समस्या" है क्योंकि सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति सतही स्तर के

ओज़ोन के गठन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

- ऊष्मा/गर्मी एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है, जिससे प्रकाश-रासायनिक अभिक्रियाएं सरल हो जाती हैं। इसलिये गर्मी के महीनों के दौरान ओज़ोन की उच्च सांद्रता पाई जाती है।
- इसके अतिरिक्त, तीव्र ग्रीष्म लहरें भी देश में ओज़ोन के स्तर में वृद्धि के लिये उत्तरदायी कारकों में से एक हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

61. पी.एम. फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज योजना (PM FME) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह योजना एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) दृष्टिकोण पर आधारित है।
    2. इसे वर्ष 2020-21 से 10 वर्षों की अवधि के लिये लागू किया जाएगा।
    3. यह योजना वेस्ट टू वेल्थ उत्पादों, लघु वन उत्पादों और आकांक्षी ज़िलों पर ध्यान केंद्रित करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: हाल ही में 'खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय' (Ministry of Food Processing Industries- MoFPI) ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के एक भाग के रूप में 'PM फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज' (PM Formalization of Micro Food Processing Enterprises - PM FME) योजना की शुरुआत की है।

- योजना के तहत एक ज़िला एक उत्पाद के दृष्टिकोण को अपनाया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - राज्यों द्वारा कच्चे माल की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए एक ज़िले के लिये एक खाद्य उत्पाद की पहचान की जाएगी।
    - ODOP में जल्दी खराब होने वाला उत्पाद या अनाज आधारित उत्पाद हो सकता है जिसका ज़िले और उनके संबद्ध क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर उत्पादन किया जाता है।
    - ऐसे उत्पादों की सूची में आम, आलू, लीची, टमाटर, साबूदाना, कीनू, भुजिया, पेठा, पापड़, अचार, मत्स्यन, मुर्गी पालन आदि शामिल हैं।
- योजना को वर्ष 2020-21 से वर्ष 2024-25 तक पाँच वर्षों की अवधि में लागू किया जाएगा। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- योजना के अन्य पहलू:
    - योजना के तहत ODOP उत्पादों के अलावा अन्य उत्पादों का उत्पादन करने वाली इकाइयों को भी सहायता दी जाएगी।
    - ODOP उत्पादों के लिये बुनियादी ढाँचे के विकास के साथ ही ब्रांडिंग और विपणन हेतु भी सहायता दी जाएगी।
    - योजना के तहत 'वेस्ट टू वेल्थ' (Waste to Wealth) उत्पादों, लघु वन उत्पादों को प्रोसाहित किया जाएगा। **अतः कथन 3 सही है।**

- ‘आकांक्षी ज़िलों’ (Aspirational Districts) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

62. गंगोत्री नेशनल पार्क के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. गंगा और यमुना नदी का उद्गम स्थल पार्क के अंदर स्थित है।
    2. पार्क घने शंकुधारी वनों से घिरा हुआ है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: गंगोत्री नेशनल पार्क वर्ष 1989 में स्थापित किया गया था और यह उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में भागीरथी नदी (Bhagirathi River) के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र स्थित है।

- गंगोत्री ग्लेशियर पर गंगा नदी का उद्गम स्थल गौ-मुख इस पार्क के अंदर स्थित है जबकि यमुना का उद्गम उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में बंदरपूँछ चोटियों के पास यमुनोत्री ग्लेशियर से होता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- इस पार्क के तहत आने वाला क्षेत्र गोविंद राष्ट्रीय उद्यान (Govind National Park) और केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य (Kedarnath Wildlife Sanctuary) के बीच एक जीवंत निरंतरता (Viable Continuity) बनाता है।
- **वनस्पति:** यह पार्क घने शंकुधारी वनों से घिरा हुआ है जिनमें ज्यादातर समशीतोष्ण वन हैं। इस पार्क की सामान्य वनस्पतियों में चिरपाइन, देवदार, फर, स्प्रूस, ओक एवं रोडोडेंड्रॉन शामिल हैं। **अतः कथन 2 सही है।**
- **जीव-जंतु:** इस पार्क में विभिन्न दुर्लभ एवं लुप्तप्राय प्रजातियाँ जैसे- नीली भेड़, काले भालू, भूरे भालू, हिमालयन मोनल, हिमालयन स्नोकॉक, हिमालयन तहर, कस्तूरी मृग और हिम तेंदुए पाई जाती हैं।

63. STARS कार्यक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह वर्ष 2025 तक 80% विद्युत दक्षता की परिकल्पना करता है।
    2. इसे विद्युत मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: STARS (Strengthening Teaching-Learning and Results for States) कार्यक्रम ‘समग्र शिक्षा’ के माध्यम से छह भारतीय राज्यों हिमाचल प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता और शासन में सुधार की परिकल्पना करता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- इसे विश्व बैंक द्वारा लॉन्च किया गया है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

64. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. ‘निर्वनीकरण और वन निम्नीकरण से होने वाले उत्सर्जन में कटौती’ (REDD +) , वर्ष 2005 में UNDP द्वारा विकसित एक तंत्र है।
    2. REDD + तंत्र वनों की कटाई को रोकने के लिये विकासशील देशों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है।

3. REDD + कार्यक्रमों के वित्तपोषण के लिये ग्रीन क्लाइमेट फंड का गठन किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: REDD+ 'जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन' (UNFCCC) के भागीदार देशों द्वारा वर्ष 2005 में विकसित किया गया एक तंत्र है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- यह उन विकासशील देशों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है जो यह प्रदर्शित करते हैं कि एक निश्चित अवधि के दौरान उन्होंने वनों की कटाई को रोकने में सफलता प्राप्त की है। इसका मूल्यांकन संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित कठिन तकनीकी मूल्यांकन पद्धति के माध्यम से किया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- REDD + में "प्लस", उन विभिन्न तरीकों को दर्शाता है जिसके माध्यम से देशों ने तीन गतिविधियों- संरक्षण, वनों का स्थायी प्रबंधन और वन कार्बन स्टॉक में वृद्धि, को परिभाषित किया है।
- UNFCCC के वित्तीय तंत्र के रूप में कार्य करने हेतु COP-17 का दौरान स्थापित ग्रीन क्लाइमेट फंड (GCF), वर्तमान में REDD + कार्यक्रमों का वित्तपोषण कर रहा है। **अतः कथन 3 सही है।**
- ब्राज़ील इसके तहे सहायता प्राप्त करने वाला पहला देश था, जिसे परिणाम-आधारित भुगतानों के तहत 96.5 मिलियन डॉलर की सहायता प्राप्त हुई।

65. हाल ही में भारत ने किस पड़ोसी देश के साथ 'खोलोंगछु जलविद्युत परियोजना' से संबंधित रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं?

a. चीन
b. नेपाल
c. भूटान
d. म्याँमार

उत्तर: (c)

व्याख्या: भारत एवं भूटान ने 600 मेगावाट क्षमता वाली खोलोंगछु जलविद्युत परियोजना (Kholongchhu Hydropower Project) हेतु एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। **अतः विकल्प (c) सही है।**

- भारत एवं भूटान के बीच यह पहली संयुक्त उद्यम परियोजना होगी।
- इस परियोजना के संयुक्त उद्यम साझेदारों में भारत का सतलुज जल विद्युत निगम (SJVN) और भूटान का ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन (DGPC) शामिल होंगे।
- 600 मेगावाट की इस रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना (Run-Of-The-River Project) को पूर्वी भूटान के त्राशियांगत्से (Trashiyangtse) ज़िले में खोलोंगछु नदी (Kholongchhu River) के निचले हिस्से पर स्थापित किया जायेगा।
- इस परियोजना के वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में पूरा होने की संभावना है।
- इस परियोजना का निर्माण दोनों देशों के बीच 50:50 संयुक्त उद्यम भागीदारी के रूप में किया जाएगा।

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव किया है।
2. बाजरे में प्रजनन आयु की महिलाओं और शिशुओं में एनीमिया से लड़ने की क्षमता होती है।
3. बाजरा सूखे की स्थिति में भी वृद्धि करने में सक्षम हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र और खाद्य एवं कृषि संगठन वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित करने के भारत के प्रस्ताव का समर्थन कर रहे हैं। वर्ष 2023 अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष होगा। **अतः कथन 1 सही है।**

- बाजरा विशेष रूप से बच्चों और महिलाओं के बीच पोषण संबंधी सुरक्षा प्रदान कर सकता तथा पोषण की कमी के खिलाफ एक ढाल के रूप में कार्य कर सकता है। इसमें पाए जाने वाली लौह की उच्च मात्रा भारत प्रजनन आयु की महिलाओं और शिशुओं को एनीमिया के उच्च प्रसार का सामना करने की क्षमता प्रदान करती है। **अतः कथन 2 सही है।**
- बाजरा प्रकाश के प्रति असंवेदनशील हैं (फूलों के लिये एक विशिष्ट अवधि तक प्रकाश की आवश्यकता नहीं होती है) और यह जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल है। किसी भी प्रकार के बाहरी आदानों की अल्प उपलब्धता अथवा अनुपस्थिति में भी यह मृदा में वृद्धि कर सकता है।
- बाजरा पानी की खपत वाली फसल है और सूखे की स्थिति तथा गैर-सिंचित परिस्थितियों तथा बहुत कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी वृद्धि करने में है।
- बाजरा में कार्बन और जल के पदचिह्न कम होते हैं (चावल के पौधों को वृद्धि के लिये बाजरा की तुलना में कम-से-कम 3 गुना अधिक जल की आवश्यकता होती है)। **अतः कथन 3 सही है।**
- बाजरा उच्च तापमान का सामना करने में सक्षम है। जलवायु परिवर्तन के समय में, बाजरा प्रायः अंतिम फसल होती है और इस प्रकार संसाधन-विहीन सीमांत किसानों के लिये यह एक अच्छी जोखिम प्रबंधन रणनीति है।

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. कंजर्वेशन रिज़र्व विभिन्न संरक्षित क्षेत्रों के बीच गलियारों को स्थानांतरित करने वाला एक बफर ज़ोन है।
    2. संरक्षित क्षेत्र को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 में शामिल किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: कंजर्वेशन रिज़र्व और सामुदायिक रिज़र्व देश के संरक्षित क्षेत्रों को चिह्नित करने वाले शब्द हैं जो आमतौर पर स्थापित राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों तथा आरक्षित एवं संरक्षित वनों के बीच बफर ज़ोन के रूप में कार्य करते हैं। **अतः कथन 1 सही है।**

- इन संरक्षित क्षेत्र श्रेणियों को पहली बार वर्ष 2002 के वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन अधिनियम- 1972 के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन, में प्रस्तुत किया गया था।
- भूमि और भूमि के उपयोग के निजी स्वामित्व के कारण मौजूदा या प्रस्तावित संरक्षित क्षेत्रों में कम सुरक्षा के कारण इन श्रेणियों को जोड़ा गया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

68. ग्लोब्बा एंडरसोनी प्रजाति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह प्रजाति केवल पश्चिमी घाटों के लिये स्थानिक है।
2. संकटापन्न प्रजातियों की IUCN रेड लिस्ट में इसे संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- लगभग 136 वर्षों के अंतराल के बाद पुणे एवं केरल के शोधकर्त्ताओं की टीम ने तीस्ता नदी घाटी क्षेत्र के पास सिक्किम हिमालय में ग्लोब्बा एंडरसोनी (Globba Andersonii) नामक एक दुर्लभ व गंभीर रूप से लुप्तप्राय पौधे की प्रजाति को पुनः खोजा है।
- इस प्रजाति को 'संकीर्ण रूप से स्थानिक' (Narrowly Endemic) के रूप में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि यह प्रजाति मुख्य रूप से तीस्ता नदी घाटी (Teesta River Valley) क्षेत्र तक ही सीमित है जिसमें सिक्किम हिमालय एवं दार्जिलिंग पर्वत श्रृंखला शामिल हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- लुप्तप्राय प्रजातियों IUCN सूची में "संकटग्रस्त" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। **अतः कथन 2 सही है।**

69. तितलियों के महत्त्व के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ये कई कृषि फसलों के लिये महत्त्वपूर्ण परागणक के रूप में कार्य करती हैं।
2. ये पारिस्थितिकी तंत्र की समग्र स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: तितलियों को पराग की खोज में फूलों पर बैठना तथा अपने पैरों और शरीर पर पराग इकट्ठा करना पसंद है। इस प्रक्रिया में, तितलियां अधिकांश कृषि फसलों के लिये महत्त्वपूर्ण परागणकों के रूप में कार्य करती हैं। **अतः कथन 1 सही है।**.

- तितली एक संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती है क्योंकि वे कई फसलों के लिये मुख्य परागणक हैं और पक्षियों, मकड़ियों तथा छिपकलियों जैसे अन्य अन्य परभक्षी जानवरों के लिये खाद्य स्रोत भी हैं।
  - इस प्रकार, वे पारिस्थितिक तंत्र की समग्र स्थिति और उस पारिस्थितिकी तंत्र में अन्य प्रजातियों के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं तथा संकेतक प्रजाति के रूप में कार्य करती हैं।**अतः कथन 2 सही है।**

70. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (NBFC) कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत पंजीकृत हैं।
2. NBFC में ऐसी कोई भी संस्था शामिल नहीं है जिसका प्रमुख व्यवसाय कृषि गतिविधि और औद्योगिक गतिविधि के समान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी उस संस्था को कहते हैं जो कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत पंजीकृत है और जिसका मुख्य काम उधार देना तथा विभिन्न प्रकार के शेयरों, प्रतिभूतियों, बीमा कारोबार तथा चिटफंड से संबंधित कार्यों में निवेश करना है। **अतः कथन 1 सही है।**

- इसमें ऐसी कोई भी संस्था शामिल नहीं है जिसका मुख्य व्यवसाय कृषि गतिविधि, औद्योगिक गतिविधि, किसी वस्तुओं की खरीद/बिक्री (प्रतिभूतियों के अलावा), किसी भी प्रकार की सेवा अथवा बिक्री/खरीद/अचल संपत्ति के निर्माण करना है।**अतः कथन 2 सही है।**
- **NBFCs की विशेषताएँ:**
    - NBFC मांग जमा (Demand Deposits) स्वीकार नहीं कर सकते हैं;
    - NBFC भुगतान और निपटान प्रणाली का अंग नहीं होते हैं तथा स्वयं द्वारा भुगतेय चेक जारी नहीं कर सकते हैं;
    - बैंकों की तरह NBFC के जमाकर्त्ताओं को निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम (Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation) की निक्षेप बीमा सुविधा उपलब्ध नहीं होती है।

71. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. प्रमुख उद्योग क्षेत्रों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, पर्यटन, इस्पात, सीमेंट और विद्युत शामिल हैं।
    2. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) को राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (NSSO) द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: आठ कोर उद्योगों में शामिल हैं - रिफाइनरी उत्पाद> बिजली> स्टील> कोयला> कच्चा तेल> प्राकृतिक गैस> सीमेंट> उर्वरक (भारांक के घटते क्रम में)। पर्यटन प्रमुख उद्योग क्षेत्रों में शामिल नहीं है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- वर्तमान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (Index of Industrial Production-IIP) में शामिल आठ प्रमुख उद्योगों का भारांक 40.27% है।
- औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (IIP) एक सूचकांक है जो एक निश्चित समयांतराल के दौरान अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों के विकास का विवरण देता है, जैसे कि खनिज खनन, बिजली, विनिर्माण आदि।
- इसे राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

72. CogX नामक वैश्विक नेतृत्व शिखर सम्मेलन निम्नलिखित में से किससे संबंधित है?

a. कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उभरती प्रौद्योगिकी से
b. प्रवालों के संरक्षण से
c. अंतरिक्ष कचरे से
d. प्रेस की स्वतंत्रता से

उत्तर: (a)

व्याख्या: CogX कृत्रिम बुद्धिमता (ArtifiCial Intelligence) पर आयोजित किये जाने विश्व के प्रमुख आयोजनों में से एक है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

- CogX पुरस्कार, कृत्रिम बुद्धिमता में सर्वश्रेष्ठ नवाचारों तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में दिया जाता है।
- हाल ही में भारत सरकार के 'MyGov कोरोना हेल्पडेस्क' ने दो श्रेणियों में CogX-2020 पुरस्कार जीते हैं। प्रथम COVID -19 के लिये सर्वश्रेष्ठ नवाचार की श्रेणी में तथा द्वितीय पीपुल्स च्वाइस COVID-19 (समग्र विजेता) की श्रेणी में।
- ये पुरस्कार MyGov के तकनीकी भागीदार जिओ हैप्टिक टेक्नोलॉजी लिमिटेड (Jio Haptik Technologies Limited) द्वारा जीते गए हैं।

73. भारत के महान्यायवादी (AG) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. भारतीय संविधान में इसका कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है।
    2. इसे पद से हटाने संबंधी प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 76 में किये गए हैं।
    3. AG को केवल लोकसभा की कार्यवाही में बोलने और भाग लेने का अधिकार है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या: भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार, भारत का महान्यायवादी (AG) भारत का सबसे बड़ा कानून अधिकारी होता है।

- भारत सरकार के मुख्य कानून सलाहकार होने के नाते महान्यायवादी सभी कानूनी मामलों पर केंद्र सरकार को सलाह देने का कार्य करता है।
- इसके अतिरिक्त भारत का महान्यायवादी सर्वोच्च न्यायालय में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्त्व भी करता है।
- संविधान में महान्यायवादी के कार्यकाल के संबंध में कोई निश्चित व्याख्या नहीं दी गई है, वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर बना रहता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- महान्यायवादी को पद से हटाने की प्रक्रिया तथा आधार का भी भारतीय संविधान में उल्लेख नहीं किया गया है। हालाँकि राष्ट्रपति द्वारा कभी भी उन्हें इस पद से हटाया जा सकता है इसके अलावा वह किसी भी समय राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप कर पदमुक्त हो सकता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

महान्यायवादी के अधिकार

- केंद्र सरकार के कानूनी सलाहकार के रूप में भारत के महान्यायवादी को भारत के किसी भी क्षेत्र में किसी भी अदालत में सुनवाई का अधिकार होता है।
- वहीं महान्यायवादी को संसद के दोनों सदनों में बोलने अथवा कार्यवाही में भाग लेने या दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में मताधिकार के बिना भाग लेने का भी अधिकार होता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- एक संसद सदस्य की तरह महान्यायवादी को सभी भत्ते और विशेषाधिकार मिलते हैं।

महान्यायवादी की सीमाएँ

- महान्यायवादी(AG) भारत सरकार के विरुद्ध कोई सलाह या विश्लेषण नहीं कर सकता है।
- जिस मामले में उसे भारत सरकार की ओर से पेश होना है, वह उस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता है।

- भारत सरकार की अनुमति के बिना वह किसी आपराधिक मामले में किसी व्यक्ति का बचाव नहीं कर सकता है।
- भारत सरकार की अनुमति के बिना वह किसी परिषद या कंपनी के निदेशक का पद ग्रहण नहीं कर सकता है।

74. राष्ट्रीय गंगा परिषद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. इसके पास केवल गंगा नदी में प्रदूषण के रोकथाम तथा इसके कायाकल्प उत्तरदायित्व है।
    2. परिषद की बैठक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: राष्ट्रीय गंगा परिषद का गठन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम (EPA), 1986 के तहत किया गया है। इस परिषद को गंगा और उसकी सहायक नदियों सहित गंगा बेसिन के प्रदूषण निवारण और कायाकल्प की अधीक्षण का समग्र उत्तरदायित्व सौंपा गया है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- परिषद की बैठक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होती है। नराष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG) राष्ट्रीय गंगा परिषद की कार्यान्वयन शाखा के रूप में कार्य करता है। **अतः कथन 2 सही है।**

75. निम्नलिखित में से कौन-सा/से संरक्षित क्षेत्र उत्तराखंड में स्थित है/हैं?
    1. राजाजी नेशनल पार्क
    2. नंधौर वन्यजीव अभयारण्य
    3. पिन वैली नेशनल पार्क

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: राजाजी नेशनल पार्क उत्तराखंड राज्य में स्थित है। वर्ष 1983 में उत्तरांचल के राजाजी वन्यजीव अभयारण्य को मोतीचूर एवं चिल्ला वन्यजीव अभयारण्यों को युक्त करके राजाजी राष्ट्रीय उद्यान (Rajaji National Park) बनाया गया। यह उद्यान 820.42 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैला हुआ है।

- नंधौर वन्यजीव अभयारण्य उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र में नंधौर नदी के पास स्थित है जो 269.5 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है।
- पिन वैली नेशनल पार्क हिमाचल प्रदेश राज्य के लाहौल और स्पीति ज़िले में विस्तारित है।
- उत्तराखंड के अन्य संरक्षित क्षेत्र हैं- जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क (भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान), फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान, गोविंद पशु विहार राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्य तथा गंगोत्री राष्ट्रीय उद्यान।

अतः विकल्प (a) सही है।

76. संयुक्त राष्ट्र शस्त्र व्यापार संधि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह पारंपरिक और परमाणु हथियारों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करती है।
    2. यह संधि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के साथ लागू हुई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: शस्त्र व्यापार संधि (ATT) एक बहुपक्षीय अंतर्राष्ट्रीय संधि है जो पारंपरिक हथियारों (न कि परमाणु हथियारों) के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को विनियमित करने के लिये प्रतिबद्ध है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- इस संधि का उद्देश्य संघर्ष वाले क्षेत्रों में हथियारों के प्रवाह पर नियंत्रण लगाना, मानवाधिकारों की रक्षा करना और घातक हथियारों को समुद्री डाकुओं, गिरोहों तथा अपराधियों के हाथों में पहुँचने से रोकना है।
- इस संधि के तहत छोटे हथियारों से लेकर युद्ध टैंक, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों के व्यापार के लिये नियम बनाने का भी प्रावधान है।
- इस संधि के तहत सदस्य देशों पर प्रतिबंध है कि वह ऐसे देशों को हथियार न दें जो नरसंहार, मानवता के प्रति अपराध या आतंकवाद में शामिल होते हैं।
- ध्यातव्य है कि यह संधि घरेलू हथियारों के व्यापार या सदस्य देशों में शस्त्र रखने के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं करती है। साथ ही यह संप्रभु देशों को प्राप्त आत्मरक्षा के वैधानिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करती है।
- यह संधि 24 दिसंबर 2014 से लागू हुई न कि संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के साथ। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

77. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. पैसिफिक रिंग ऑफ फायर प्रशांत महासागर के इर्द-गिर्द एक मार्ग है जो सक्रिय ज्वालामुखियों और लगातार आने वाले भूकंपों के कारण जाना जाता है।
    2. माउंट मेरापी इस रिंग के पूर्वी हिस्से में स्थित एक सक्रिय ज्वालामुखी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: पैसिफिक रिंग ऑफ फायर जिसे परिधि-प्रशांत बेल्ट के रूप में भी जाना जाता है, प्रशांत महासागर के इर्द-गिर्द एक मार्ग है जो सक्रिय ज्वालामुखियों और लगातार आने वाले भूकंपों के कारण जाना जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- पृथ्वी पर पाए जाने वाले ज्वालामुखियों में 75% अर्थात् 450 से अधिक ज्वालामुखी रिंग ऑफ फायर के आस-पास पाए जाते हैं। पृथ्वी पर लगभग 90% भूकंप रिंग ऑफ फायर में आते हैं।
- माउंट मेरापी इंडोनेशिया के 130 सक्रिय ज्वालामुखियों में से सबसे अधिक सक्रिय है। यह रिंग के पश्चिमी भाग में स्थित है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

78. सेनकाकू द्वीपसमूह निम्नलिखित में से किनके बीच विवादित द्वीप हैं?

a. चीन और जापान
b. चीन और ताइवान
c. चीन, दक्षिण कोरिया और जापान
d. चीन, ताइवान और जापान

उत्तर:(D)

व्याख्या: सेनकाकू द्वीपसमूह चीन, ताइवान और जापान के बीच विवादित द्वीप हैं।

- यह निर्जन द्वीपों का एक समूह है जिसे जापान में सेनकाकू द्वीप समूह, चीन में डियाओयू द्वीप समूह और ताइवान में तियायूटाई द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

79. योजनाओं तथा उनसे संबंधित राज्यों के संदर्भ संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

1. मुख्यमंत्री शहरी रोज़गार मंज़ूरी फॉर कामगार योजना- झारखंड
2. अय्यनकाली शहरी रोज़गार गारंटी योजना- केरल
3. युवा स्वाभिमान योजना-छत्तीसगढ़

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: हाल ही में झारखंड सरकार ने भारत सरकार के सामाजिक विकास कार्यक्रम मनरेगा (MGNREGA) के की तर्ज पर झारखंड सरकार शहरी अकुशल श्रमिकों के लिये 100 दिवसीय रोज़गार गारंटी योजना शुरू की है।

- झारखंड सरकार की इस योजना का नाम मुख्यमंत्री श्रमिक (SHRAMIK- Shahri Rozgar Manjuri For Kamgar) योजना रखा गया है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- इस योजन का उद्देश्य झारखंड के शहरी गरीबों को मौजूद संकट के दौर में आजीविका का एक साधन उपलब्ध कराना है। झारखंड सरकार की योजना में भी बेरोज़गारी भत्ते का प्रावधान किया गया है, योजना के तहत बेरोज़गारी भत्ता तभी प्रदान किया जाएगा, जब कोई शहरी स्थानीय निकाय रोज़गार की मांग करने वाले व्यक्ति को 15 दिन के भीतर रोज़गार उपलब्ध कराने में विफल रहता है। ध्यातव्य है कि इस कार्य के लिये शहरी स्थानीय निकायों (Urban Local Bodies-ULBs) को अलग से फंड प्रदान किया जाएगा।

अन्य राज्यों से उदाहरण:

- केरल में 'अय्यनकाली शहरी रोज़गार गारंटी योजना' (Ayyankali Urban Employment Guarantee Scheme) का कार्यान्वयन किया जा रहा है। केरल सरकार की यह योजना भी मनरेगा (MGNREGA) के ही समान है, किंतु इसमें ग्रामीण श्रमिकों के स्थान पर शहरी गरीबों को लक्षित किया गया है। केरल सरकार की इस योजना में महिलाओं को खास प्राथमिकता दी गई है, योजना से संबंधित नियमों के अनुसार, योजना के कुल लाभार्थियों में से लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ होंगी। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- हाल ही में ओडिशा सरकार ने 100 करोड़ रुपए के शहरी वेतन रोज़गार पहल की घोषणा की।
- मध्य प्रदेश (न कि छत्तीसगढ़) की "युवा स्वाभिमान योजना" शहरी युवाओं के बीच कुशल और अकुशल दोनों के लिये रोज़गार का प्रावधान करती है। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**

80. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भूमि-संबंधी दमनकारी नीतियाँ मोपला विद्रोह के प्रमुख कारणों में से एक थीं।
2. मोपला विद्रोह देशव्यापी असहयोग आंदोलन के साथ ही शुरू हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: मोपला या मालाबार विद्रोह:

- केरल के मालाबार तट पर अगस्त, 1921 में अवैध कारणों से प्रेरित होकर स्थानीय मोपला किसानों ने विद्रोह कर दिया।
- मोपला केरल के मालाबार तट के मुस्लिम किसान थे जहाँ जमीदारी के अधिकार मुख्यतः हिंदुओं के हाथों में थे।

- 19वीं शताब्दी में भी जमीदारों के अत्याचारों से पीड़ित होकर मोपलाओं ने कई बार विद्रोह किया था।
- मोपला विद्रोह के प्रमुख कारण निम्नलिखित थे:
    - लगान की उच्च दर;
    - नज़राना एवं अन्य दमनकारी तौर तरीके;
    - राष्ट्रवादी आंदोलन के साथ संबंध।

अतः कथन 1 सही है।

- खिलाफत आंदोलन में किसानों की मांग का समर्थन किया गया, बदले में किसानों ने भी आंदोलन में अपनी पूरी शक्ति के साथ भाग लिया।
- यह विद्रोह देशव्यापी असहयोग आंदोलन के साथ घटित हुआ। अगस्त 1920 में, गांधी ने शौकत अली (भारत में खिलाफत आंदोलन के नेता) के साथ मालाबार के निवासियों के बीच असहयोग और खिलाफत के संयुक्त संदेश को फैलाने के लिये कालीकट का दौरा किया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- फरवरी, 1921 में सरकार ने निषेधाज्ञा लागू कर दी और कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।
- मोपला विद्रोह के हिंसक रूप लेने के साथ ही कई राष्ट्रवादी नेता आंदोलन से अलग हो गए तथा शीघ्र ही आंदोलन समाप्त हो गया।

81. वैश्विक शिक्षा निगरानी (GEM) रिपोर्ट जारी की जाती है:

a. संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) द्वारा
b. संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा
c. विश्व आर्थिक मंच (WEF) द्वारा
d. शिक्षा के लिये वैश्विक भागीदारी (GPE) द्वारा

उत्तर : (b)

व्याख्या: 'वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट' संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा जारी किया जाने वाला एक स्वतंत्र वार्षिक प्रकाशन है। **अतः विकल्प (b) सही है।**

- 'वैश्विक शिक्षा निगरानी' (Global Education Monitoring- GEM) रिपोर्ट- 2020 के अनुसार, COVID-19 महामारी के कारण वैश्विक शिक्षा अंतराल में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट के अनुसार,
    - अप्रैल 2020 में विश्वभर में अधिकांश विद्यालय बंद रहे इस कारण विश्व के लगभग 91% छात्र स्कूल नहीं जा पाए।
    - निम्न-आय वाले 55%, निम्न-मध्यम-आय वाले 73% और ऊपरी-मध्यम-आय वाले 93% देशों में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के लिये ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफॉर्मों को अपनाया गया है।
    - भारत ने शैक्षिक निरंतरता के लिये सभी तीन प्रणालियों (रेडियो, टीवी और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म) के मिश्रण का उपयोग किया है।

82. मछली पकड़ने वाली बिल्लियों (फिशिंग कैट) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इन्हें वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची I के तहत संरक्षण प्राप्त है।
2. ये प्रजाति केवल सुंदरवन के मैंग्रोव वनों में पाई जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: फिशिंग कैट

- इसका वैज्ञानिक नाम परिओनैलुरस विवेरिनस (Prionailurus Viverrinus) है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में सुभेद्य (Vulnerable) श्रेणी में, CITES (Convention of International Trade in Endangered Species of Wild Fauna and Flora) के परिशिष्ट II में, जबकि भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत अनुसूची I में रखा गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह भारत में गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदी की घाटियों, पश्चिमी घाट, हिमालय की तलहटी, सुंदरवन के मैंग्रोव वनों में मुख्य रूप से पाई जाती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

83. सहकारी बैंकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सहकारी बैंकों को भारत में बैंकों की कानूनी परिभाषा में शामिल नहीं किया गया है।
2. इन बैंकों को बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत RBI द्वारा विनियमित किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: केंद्र सरकार ने सभी शहरी एवं बहु-राज्यीय सहकारी बैंकों को भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India- RBI) के पर्यवेक्षण के अंतर्गत लाए जाने संबंधी एक अध्यादेश को मंज़ूरी दी है।

- केंद्र सरकार का यह निर्णय RBI को वाणिज्यिक बैंकों की तर्ज पर सभी शहरी एवं बहु-राज्यीय सहकारी बैंकों को विनियमित करने का अधिकार देगा।
- इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि सहकारी बैंक सरफेसी अधिनियम, 2002 (Sarfaesi Act, 2002) के प्रयोजनों के लिये बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (Banking Regulation Act, 1949) के तहत 'बैंकों' की परिभाषा में आते हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सहकारी बैंक राज्यों के सहकारी समिति अधिनियम (Co-operative Societies Act) या बहु-राज्यीय सहकारी समिति अधिनियम, 2002 (Multi-State Co-operative Societies Act, 2002) के तहत पंजीकृत हैं।
- ये बैंक, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के साथ-साथ बैंकिंग कानून (सहकारी समितियाँ) अधिनियम, 1965 द्वारा भी प्रशासित होते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

84. सीबेड 2030 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह समुद्र तल के मापन के लिये इंटरनेशनल सीबेड अथॉरिटी द्वारा शुरू की गई एक पहल है।
2. यह पहल वर्ष 2030 तक पूरे समुद्र तल का मानचित्र तैयार करने की परिकल्पना करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: सीबेड 2030 संयुक्त राष्ट्र द्वारा समर्थित परियोजना है जिसकी घोषणा वर्ष 2017 में संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन के दौरान की गई थी।

- परियोजना की वैश्विक पहल जापान के निप्पॉन फाउंडेशन तथा 'जनरल बेथमीट्रिक चार्ट ऑफ द ओसियनस' (GEBCO) के सहयोग से की गई है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- सीबेड 2030 प्रोजेक्ट, के अंतर्गत वर्ष 2030 तक संपूर्ण विश्व के समुद्र तल की मैपिंग का कार्य पूर्ण किया जाना है। **अतः कथन 2 सही है।**

85. भारत के संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थितियों की जाँच के लिये एक आयोग की नियुक्ति कर सकता है?

a. अनुच्छेद 338B
b. अनुच्छेद 62
c. अनुच्छेद 340
d. अनुच्छेद 338A

उत्तर: (c)

व्याख्या: हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अन्य पिछड़ा वर्ग (Other Backward Classes-OBC) के उप-श्रेणीकरण के मुद्दे के परीक्षण हेतु गठित आयोग के कार्यकाल को जनवरी 2021 तक विस्तारित करने को स्वीकृति दे दी है।

- सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जी. रोहिणी की अध्यक्षता में गठित आयोग के कार्यकाल को 6 माह के लिये विस्तृत कर दिया गया है अब आयोग के पास अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये 31 जनवरी, 2021 तक का समय है।
- 2 अक्तूबर, 2017 को संविधान के अनुच्छेद 340 के अंतर्गत दिल्ली उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश जी. रोहिणी की अध्यक्षता में इस आयोग का गठन किया गया था। **अतः विकल्प (c) सही है।**
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 340 के अनुसार, भारतीय राष्ट्रपति सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों की दशाओं की जाँच करने के लिये तथा उनकी दशा में सुधार करने से संबंधित सिफारिश प्रदान के लिये एक आदेश के माध्यम से आयोग की नियुक्ति कर सकते हैं।
- राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त आयोग संदर्भित मामलों की जाँच करेगा और उनके द्वारा पाए गए तथ्यों तथा अपनी सिफारिशों समेत अपनी एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

86. निम्नलिखित में से किसको लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोट डालने की अनुमति है?

1. दिव्यांग व्यक्ति (PwD)
2. निवारक निरोध के अधीन मतदाता
3. किसी राज्य का सशस्त्र पुलिस बल
4. 65 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2 और 4
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या: हाल ही में विधि और न्याय मंत्रालय ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पोस्टल बैलट का विकल्प चुनने वाले वरिष्ठ नागरिकों के लिये आयु सीमा घटा दी है। अब, 65 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता या कोविड-19 संदिग्ध डाक मतपत्र का विकल्प चुन सकते हैं।

- इससे पहले वर्ष 2019 में विधि एवं न्याय मंत्रालय ने विकलांग व्यक्तियों और उम्र 80 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिये लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों के दौरान डाक मतपत्रों का चयन करने की अनुमति देने के लिये निर्वाचनों के संचालन नियमों में संशोधन किया था।
- **पोस्टल बैलट प्रणाली:** प्रक्रिया में सर्वप्रथम निर्वाचन आयोग द्वारा डाक मतपत्र को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदाता तक पहुँचाया जाता है। यदि मतदाता किसी ऐसे स्थान पर है जहाँ इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतपत्र पहुँचाना संभव नहीं है तो उसके पास डाक के माध्यम से मतपत्र भेजा जाता है। मतपत्र प्राप्त करने के बाद मतदाता को अपने विवेकानुसार विकल्प का चुनाव कर डाक के माध्यम से मतपत्र वापस भेजना होता है।
- वर्तमान में निम्नलिखित लोगों को पोस्टल बैलट से मतदान करने का अधिकार है:
    - चुनाव कार्यों में कार्यरत अधिकारी
    - सर्विस वोटर (सशस्त्र बल, राज्य सशस्त्र पुलिस बल और देश के बाहर कार्यरत सरकारी कर्मचारी)
    - 65 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता
    - दिव्यांग व्यक्ति
    - निवारक निरोध के अधीन मतदाता

अतः विकल्प (d) सही है।

87. उन्नत टॉर्पीडो विध्वंसक प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसे DRDO द्वारा स्वदेशी रूप से अभिकल्पित और विकसित किया गया है।
2. इस प्रणाली को "मारीच" भी कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: हाल ही में भारतीय नौसेना ने एंटी-सबमरीन युद्ध क्षमता को बढ़ाने के लिये स्वदेश निर्मित 'टॉरपीडो विध्वंसक प्रणाली' को अपने बेड़े में शामिल किया है।

- इस एंटी-टॉरपीडो विध्वंसक प्रणाली (Anti-Torpedo Decoy System) का डिज़ाइन एवं विकास 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन' (DRDO) की प्रयोगशालाओं (NSTL व NPOL) में किया गया है। **अतः कथन 1 सही है।**
- प्रणाली हमलावर टॉर्पीडो का पता लगाने, उसे भ्रमित करने और नष्ट करने में सक्षम है। इसे "मारीच" भी कहा जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. फाइव आइज़ (FVEY) एक खुफिया गठबंधन है जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, भारत, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।
2. P5 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य हैं जिनमें चीन, फ्राँस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: फाइव आइज़ (Five Eyes- FVEY) एक खुफिया गठबंधन है जिसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- हाल ही में भारत सहित, द फाइव आइज़ (The Five Eyes)- संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड तथा कनाडा द्वारा एक वाक्यांश "सर्वनिष्ठ भविष्य हेतु साझा दृष्टि" (Shared Vision Of A Common Future) के उपयोग पर आपत्ति जताए जाने के कारण संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर हस्ताक्षर किये जाने की 75वीं वर्षगांठ पर की जाने वाली स्मारक घोषणा को जारी करने में देरी हुई।
- P5 संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य हैं जिनमें चीन, फ्राँस, रूस, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

89. निम्नलिखित में से कौन-सा देश दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) का सदस्य नहीं है?
    1. ब्रुनेई
    2. मलेशिया
    3. ताइवान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल 1 और 3
B. केवल 2 और 3
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: आसियान (ASEAN) का पूरा नाम Association of Southeast Asian Nations है। यह दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संगठन एक क्षेत्रीय संगठन है जो एशिया-प्रशांत के उपनिवेशी राष्ट्रों के बढ़ते तनाव के बीच राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1967 स्थापित किया गया था।

- इसकी स्थापना आसियान घोषणापत्र (बैंकॉक घोषणा) पर संस्थापक राष्ट्रों- इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड द्वारा हस्ताक्षर करने के साथ आसियान की स्थापना हुई।
- वर्तमान में इसमें 10 देश शामिल हैं- इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्याँमार और कंबोडिया।
- ताइवान इसका सदस्य नहीं है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

90. प्रायः समाचारों में देखे जाने वाले पद 'गोल्डन क्रीसेंट' और 'गोल्डन ट्राइएंगल' संबंधित हैं:

a. स्वर्ण भंडार वाले क्षेत्र से
b. मादक पदार्थों की तस्करी के मार्ग से
c. यूरोप में रणनीतिक गठबंधन से
d. प्रशांत महासागर में मृत क्षेत्र से

उत्तर: (b)

व्याख्या: भारत विश्व के दो प्रमुख अवैध अफीम उत्पादन क्षेत्रों- पश्चिम में गोल्डन क्रीसेंट (ईरान-अफगानिस्तान-पाकिस्तान) और पूर्व में गोल्डन ट्रायंगल (दक्षिण-पूर्व एशिया)] के मध्य स्थित है।

- गोल्डन ट्राएंगल म्याँमार, लाओस और थाईलैंड के ग्रामीण पहाड़ों से लगे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। यह दक्षिण-पूर्व एशिया का मुख्य अफीम उत्पादक क्षेत्र है तथा यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका में मादक पदार्थों की आपूर्ति के लिये के सबसे पुराने मार्गों में से एक है।
- गोल्डन क्रीसेंट दक्षिण एशिया का एक क्षेत्र है जो अफीम उत्पादन और वितरण

के लिये एक प्रमुख वैश्विक स्थल है। इसमें अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान शामिल हैं।

अतः विकल्प (b) सही है।

91. रेडियो तरंगों के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
    1. विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में रेडियो तरंगों की तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी होती है।
    2. ये संचार तारों में आवेशों की त्वरित गति से उत्पन्न होती हैं।
    3. रेडियो-तरंग संचार संकेतों को बादलों द्वारा परावर्तित किया जा सकता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर : (d)

व्याख्या:रेडियो तरंगें

- विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम में रेडियो तरंगों की तरंगदैर्ध्य सबसे लंबी होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- 1880 के दशक के अंत में हेनरिक हर्ट्ज़ ने इनकी खोज की थी।
- **ये संचार तारों में आवेशों की त्वरित गति से उत्पन्न होती हैं। अतः कथन 2 सही है।**
- उनका उपयोग रेडियो और टेलीविजन संचार प्रणालियों में किया जाता है। सेल्युलर फोन अल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी (UHF) बैंड में ध्वनि संचार को संचारित करने के लिये रेडियो तरंगों का उपयोग करते हैं।
- रेडियो-तरंग संचार के सिग्नल एक सीधी रेखा में वायु के माध्यम से यात्रा करते हैं, बादलों या आयनमंडल की परतों द्वारा परावर्तित होते हैं अथवा अंतरिक्ष में उपग्रहों द्वारा प्रतिसारित/रिले किये जाते हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. नगर वन योजना का लक्ष्य भारत के प्रत्येक शहर के लिये कम-से-कम एक शहरी वन विकसित करना है।
    2. क्षतिपूरक वनीकरण कोष (CAF) अधिनियम, 2016 ने प्रतिपूरक वनीकरण प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) की स्थापना की।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: 'नगर वन योजना' का उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में देश भर में 200 शहरी वन विकसित करना है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- क्षतिपूरक वनीकरण कोष अधिनियम, 2016 (Compensatory Afforestation Fund Act, 2016-CAMPA) की निधि द्वारा की जाएगी।
- इस योजना की शुरुआत वर्ष 2015 में पुणे में की गई।
- राज्यों में क्षतिपूरक वनीकरण के लिये एकत्र धनराशि के प्रबंधन हेतु वर्ष 2016 में प्रतिपूरक वनीकरण कोष (CAF)अधिनियम पारित किया गया।
    - CAF अधिनियम ने क्षतिपूरक वनीकरण कोष (CAF) एवं क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (CAMPA) की स्थापना की। **अतः कथन 2 सही है।**

93. 'भारत नेट परियोजना' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिये एक मज़बूत बुनियादी ढाँचे का निर्माण करना है।
2. यह ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न सेवाओं को शुरू करने के लिये केवल सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार सेवा प्रदाताओं तक पहुँच प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या: वर्ष 2011 में राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (NOFN) की शुरुआत की गई थी और वर्ष 2015 में इसे भारत नेट परियोजना पुनर्नामित किया गया था।

भारतनेट, भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (BBNL) द्वारा कार्यान्वित एक प्रमुख मिशन है।

यह कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत भारत सरकार द्वारा स्थापित एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) है।

- इसकी परिकल्पना एक मज़बूत बुनियादी ढाँचे का निर्माण कर ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिये की गई थी। **अतः कथन 1 सही है।**

- संचार मंत्रालय ने राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन शुरू किया है जो देश भर में (विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों) में ब्रॉडबैंड सेवाओं तक सार्वभौमिक और समान पहुँच की सुविधा प्रदान करेगा।
- इस परियोजना का उद्देश्य राज्यों तथा निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी से ग्रामीण तथा दूर-दराज़ के क्षेत्रों में नागरिकों एवं संस्थानों को सुलभ ब्रॉड बैंड सेवाएँ उपलब्ध कराना है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- इस समग्र परियोजना को यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (USOF) द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है, जिसे देश के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं में सुधार के लिये स्थापित किया गया था।

94. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. आपातकालीन स्थिति में अनुसूचित बैंक तरलता/चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) के माध्यम से RBI से उधार लेते हैं।
2. सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) RBI द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक उपकरण है जो बैंक को पुनर्खरीद समझौतों के माध्यम से धन उधार लेने की अनुमति देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या: तरलता/चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) एक उपकरण है जिसके द्वारा रिज़र्व बैंक अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को समायोजित करता है। यह मौद्रिक नीति का एक उपकरण है जो बैंक को पुनर्खरीद समझौतों (रेपो और रिवर्स रेपो) के माध्यम से धन उधार लेने की अनुमति देता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- **रेपो दर** वह निर्धारित ब्याज दर है जिस पर रिज़र्व बैंक चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) के तहत बैंकों को सरकार के संपार्श्विक के विरुद्ध और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों के विरुद्ध

ओवरनाईट चलनिधि प्रदान करता है।

- **रिवर्स रेपो दर** वह निर्धारित ब्याज दर है जिस पर रिजर्व बैंक चलनिधि समायोजन सुविधा (LAF) के तहत बैंकों से पात्र सरकारी प्रतिभूतियों के संपार्श्विक के विरुद्ध, ओवरनाइट आधार पर, चलनिधि को अवशोषित करता है।

- **सीमांत स्थायी सुविधा (MSF)** एक सुविधा जिसके तहत अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक रिज़र्व बैंक से ओवरनाईट मुद्रा की अतिरिक्त राशि को एक सीमा तक अपने सांविधिक चलनिधि अनुपात (SLR) पोर्टफोलियो में गिरावट कर ब्याज की दंडात्मक दर ले सकते हैं। MSF दर रेपो दर से अधिक होती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

95. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. प्रशांत चंद्र महालनोबिस को भारत में आधुनिक सांख्यिकी का जनक माना जाता है।
    2. राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस 29 जून को मनाया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: प्रशांत चंद्र महालनोबिस (1893-1972) को भारत में आधुनिक सांख्यिकी का जनक माना जाता है। इन्होने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (ISI) की स्थापना की, योजना आयोग (बाद में NITI Aayog) को आकार दिया और बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण के लिये अग्रणी कार्यप्रणाली की शुरुआत की।**अतः कथन 1 सही है।**

- उन्होंने 'फ्रैक्टाइल ग्राफिकल एनालिसिस' नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की, जिसका उपयोग विभिन्न समूहों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिये किया जाता है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली की स्थापना में उनके अमूल्य योगदान के लिये प्रत्येक वर्ष पी.सी. महालनोबिस की जयंती (29 जून) को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है। **अतः कथन 2 सही है।**

96. रक्षा अधिग्रहण परिषद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह केवल तीन सेवाओं- थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिये नई नीतियों और पूंजी अधिग्रहण पर निर्णय लेता है।
    2. केंद्रीय रक्षा मंत्री परिषद का अध्यक्ष होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या: रक्षा अधिग्रहण परिषद (Defence Acquisition Council- DAC) तीनों सेवाओं (सेना, नौसेना और वायु सेना) और भारतीय तटरक्षक बल के लिये नई नीतियों और पूंजी के अधिग्रहण पर निर्णय लेने वाली रक्षा मंत्रालय की सर्वोच्च संस्था है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- केंद्रीय रक्षा मंत्री परिषद का अध्यक्ष होता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- इसका गठन वर्ष 2001 में, कारगिल युद्ध (1999) के बाद 'राष्ट्रीय सुरक्षा प्रणाली के सुधार' पर मंत्रियों के समूह की सिफारिशों के बाद किया गया था।

- हाल ही में रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने कई प्रस्तावों को मंज़ूरी दी है, जो तीनों सेवाओं- थल सेना, नौसेना और वायु सेना की लड़ाकू क्षमता में वृद्धि करेंगे।

97. उस स्थान की पहचान कीजिये जो सैकड़ों हाथियों की रहस्यमय मौत के कारण समाचारों में था?

a. ओकावांगो डेल्टा
b. हवाई खा खेंग
c. उदावलावे
d. वायनाड

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पिछले कुछ महीनों में बोत्सवाना के ओकावांगो डेल्टा में सैकड़ों हाथियों की रहस्यमय तरीके से मृत्यु हो गई है। बोत्सवाना दक्षिणी अफ्रीका का एक स्थलबद्ध देश है। **अतः विकल्प (a) सही है।**
- ओकावांगो डेल्टा उन कुछ प्रमुख आंतरिक डेल्टा प्रणालियों में से एक है जिनका प्रवाह सागर या महासागर की और नहीं है।
- इस डेल्टा में स्थायी दलदली भूमि और मौसमी बाढ़ के मैदान शामिल हैं।
- इस डेल्टा में कालाहारी रेगिस्तान का भी उच्च हिस्सा शामिल है और इसका अस्तित्व ओकावांगो (कावांगो) नदी के कारण है।
- विश्व की अधिकांश लुप्तप्राय प्रजातियों में से कुछ यहाँ पाई जाती हैं, जैसेकि- चीता, सफेद गैंडा, काला गैंडा, अफ्रीकी जंगली कुत्ता और शेर।

98. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी रोड' किन दो स्थानों को जोड़ता है?

a. लाहौल-स्पीति और किन्नौर
b. लिपुलेख और कैलाश मानसरोवर
c. डोकलाम पठार और नाथुला दर्रा
d. लेह और काराकोरम दर्रा

उत्तर: (d)

व्याख्या:

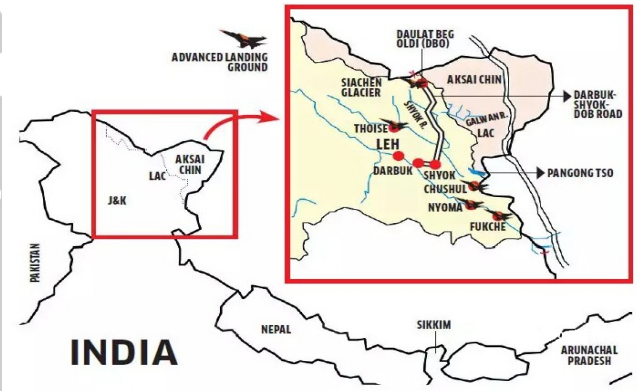

'दारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी' (DSDBO) सड़क

- यह सड़क दारबुक (Darbuk) से अंतिम भारतीय ग्राम श्योक (Shyok) तक लगभग 255 किमी. लंबी सड़क है।
- यह सड़क भारत-चीन LAC के लगभग समानांतर है जो 13,000 फुट से 16,000 फुट के बीच की विभिन्न बीच ऊँचाई से होकर जाती है।

- यह सड़क लेह को काराकोरम दर्रे से जोड़ती है तथा चीन के शिनजियांग (Xinjiang) प्रांत से लद्दाख को अलग करती है।
- श्योक तथा काराकोरम दर्रे के बीच दौलत बेग ओल्डी (DBO) 16,000 फीट से अधिक की ऊँचाई पर स्थित एक पठार है। यह अवस्थिति वायुसेना के लिये बहुत अधिक सामरिक महत्त्व रखती है क्योंकि यह अवस्थिति वायु सेना के लिये आपूर्ति सामग्री गिराने के लिये उन्नत लैंडिंग ग्राउंड (Advanced Landing Ground- ALG) है।

अतः विकल्प (d) सही है।

99. एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. यह स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्त्वावधान में शुरू किया गया है।
    2. ज़ूनोटिक रोगों के लिये अंतर क्षेत्रीय समन्वय इस कार्यक्रम के घटकों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: रोगों के प्रकोप का शीघ्रता से पता लगाने और अनुक्रिया देने के लिये नवंबर, 2004 में 'विश्व बैंक' की सहायता से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम' (IDSP) शुरू किया था।

अतः कथन 1 सही है।

कार्यक्रम के घटक

- केंद्र, राज्य और ज़िला स्तर पर निगरानी इकाइयों की स्थापना कर निगरानी गतिविधियों का एकीकरण और विकेंद्रीकरण।
- **मानव-संसाधन विकास-** रोग निगरानी के सिद्धांतों पर राज्य निगरानी अधिकारियों (SSO), ज़िला निगरानी अधिकारियों (DSO), RRT तथा अन्य चिकित्सा एवं पैरामेडिकल कार्मिकों का प्रशिक्षण।
- डेटा के संग्रहण, समतलीकरण, संकलन, विश्लेषण और प्रसार के लिये सूचना संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं को मजबूत बनाना।
- ज़ूनोटिक रोगों के लिये अंतर क्षेत्रीय समन्वय। **अतः कथन 2 सही है।**

100. इन-सिलिको औषधि खोज प्रक्रिया में निम्नलिखित में से किसका प्रत्यक्ष अनुप्रयोग है?
    1. जैव सूचना विज्ञान
    2. कंप्यूटर सिमुलेशन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या: इन-सिलिको ड्रग डिस्कवरी प्रक्रिया का तात्पर्य जैव सूचना विज्ञान उपकरणों के नियोजन से संभावित दवा अणुओं की पहचान करने से है।

अतः कथन 1 सही है।

- इन-सिलिको एक अभिव्यक्ति है जिसका अर्थ है किसी कार्य को कंप्यूटर पर या कंप्यूटर सिमुलेशन के माध्यम से करना।

  अतः कथन 2 सही है।
    - संभावित दवा अणुओं में आम तौर पर DNA, RNA और

प्रोटीन जैसे ग्राही (Receptors), एंजाइम आदि शामिल होते हैं।

- संभावित दवा अणुओं की पहचान किसी बीमारी की जाँच के दौरान उनकी औषधीय प्रासंगिकता को समझने में मदद करती है।